

राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

बण्ड : 49	शिमला, शनिवार, 10 नवम्बर, 2001/19 कार्तिक, 1923	संस्या : 45
A	ित्रवय सूची	
भाग-1	वैद्यानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रतेष के राज्यपाल ग्रीर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा ग्राधिसूचनाएं इत्यादि	149214 9 6 तथा 1522
भाग-2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के ग्रन्थकों ग्रीर जिला मैं जिस्ट्रेटों द्वारा मिश्रम् चनाएं इत्यादि	14 9 6
र भाग-3	श्रविनियम, विषेपक स्रौर विश्वेयकों पर प्रवर समिति के प्रांतकेदः। वैक्षानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राष्ट्रयपाल, हिमाचल प्रदेश हार्ड कोर्ट, फाईनैन्शियल कमिण्यर तथा कमिश्नर प्राफ इन्कम टैक्स द्वारा श्रविसृचित आदेश इत्यादि	14961503
भाग-4	स्थानीय स्वायत शासन, म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्व्ह बोर्ड, नोटिफाइड भीर टाऊन एरिया तथा पंचायती राज विभाग	_
भाग-5	वैयक्तिक ग्रधिसूचनाएं ग्रौर विकासन	1507-152
भाग- 6	भारतीय राजपल्ल इस्यादि में से पुत: प्रकाशन	. –
भाग-७	भारतीय निर्वाचन प्रायोग (Election Commission of India) की वैश्रानिक ग्रीधमूचनाएं तया ग्रन्थ निर्वाचन सम्बन्धी प्रशिसूचनाए	<u> </u>
	ग्र मुपूरक	-

10 नवम्बर, 2001/19 कार्तिक, 1923 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिङ्क्ति विद्यप्तियां असाधारण राजपत्न, हिमाचल प्रदेश में प्रकाणित हुई :--

विक्रप्ति की संख्या औ	विभागकानाम	विषय
संख्या ई० एक्स ० एन०-एफ० (12)- 3/98-II, दिनांक 5 नवम्बर, 2001.	आबकारी एवं कराधान विभाग	राजपत्न, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 16 जुलाई, 2001 में संशोधन।
संख्या कार्मिक (सचि । प्रगा 0-1) ए (3) 2/8 % 1, दिनांक 10 धनतूबर, 2001.	कार्मिक विभाग (सजिवालय प्रशासन स्रेवाएं-1)	हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएं) ग्रधीक्षक ग्रेड-II (वर्ग-II, ग्रराजपितत) भर्ती एवं प्रौन्ति (प्रथम संशोधन) नियम, 2001 इसके ग्रंग्रेजी पाठ सहित।

भाग-1 हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट

NOTIFICATIONS

Shimla-1, the 19/20th October, 2001

No. HHC/Admn. 6 (24 74-VI-21794, -The High Court of Himachal Pradesh, in exercise of the powers vested under Section 12 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973, is pleased to appoint Shri Davinder Kumar, Judicial Magistrate Ist Class, Dalhousie as Additional Chief Judicial Magistrate, for Civil and Additional Chief Identification of the Additional Chief I

Sd/-Registrar (Vigilance).

Shimla-1, the 20th October, 2001

No. HHC/GAZ/Admn. 14-90/79-21804.—The Hon'ble Chief Justice is pleased to sanction ex-post-facto sanction of 5 days commuted leave with effect from 8-10-2001 to 12-10-2001 with permission to prefix holiday falling on 7-10-2001 and to suffix holidays falling on 13-10-2001 to 14-10-2001 in favour of Shri Ram Lal Sharma, Addl. Registrar (A & E) of this court.

Certified that Shri Ram Lal Sharma has joined the same post and at the same station from where he proceeded on leave after expiry of the above period of leave.

Certified that Shri Ram Lal Sharma would have continued to officiate the same post from where he proceeded on leave.

Shimla-1, the 20th October, 2001

No. II4C/GAZ/14-23)/97-21811.—Hon'ble The Chief Justice is pleased to grant ex-post-facto sanction of 25 days earned leave w. e. f. 29-8-2001 to 22-9-2001 with permission to suffix Sunday falling on 23-9-2001 in favour of Shri P. S. Samyal, Sub Judge-cum-SDJM Theog.

Certified that Shri Samyal has joined the same post and at the same station from where he proceeded on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri Samyal would have continued to hold the post of Sab-Judge-cun SDJM. Theog, but for his proceeding on leave for the above period.

S'iimla-1, the 20th October, 2001

No H-IC Alma 16'24' 75-II-21824.—Hon'ble the Chief Jistice, in exercise of the powers vested in him u's 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1903, u's 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 4(iv) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment and Control) Rules, 1995, is pleased to appoint Shri Ramin Kint Choudhary, Miss Meena and Miss Manju Kumari, Advocates, Amb as Oath Commissionathy ners at Amb, H. P. for a period of two years with immediate effect, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

Shimla-1, the 30th/31st October, 2001

No. HHC/GAZ/ 14-123/82-III-21979.—Hon'ble the Chief Justice is pleased to grant ex-post-facto sanction of 4 days commuted leave w. e. f. 8-10-2001 to 11-10-2001 in favour of Shri Sher Singh San, Additional District and Sessions Judge, Nahan.

Certifie 1 that Shri Sen has joined same post and at the same station from where he

वैद्यानिक नियमों को छोड़कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यावि proceeded on leave, after expiry of the above period of leave.

> Also certified that Shri Sen would have continued to hold the post of Additional District and Sessions Judge, Nahan, but for his proceeding on leave for the above period.

> > Shimla-1, the 31st October, 2001

No. HHC/Admn. 16,34)89-21988.—Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him u/s 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, u/s 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and rule 4(iv) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment and Control) Rules. 1996 is pleased to appoint Ms. Indu Sharma, Advocate, Chamba as Oath Commissioner at Sessions Division Chamba for a period of two years with effect from 11-11-2001 for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents under the aforesaid Codes and Rules.

By order,

Sd/-Registrar General.

हिमाचल प्रदेश सरकार

ग्रायुर्वेद विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-171002, 27 ग्रगस्त, 2001

संख्या ग्रायु 0 ख (3)-1/2001.—हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जन-जातीय एवं कठिन क्षेत्रों में उप-संतर्ग निर्मित किये जान के कतस्वरूप, हिमाचल प्रदेश, लोक सेवा स्रायोग की सिफारिशों के ग्राधार पर चयन्ति ग्रभ्यर्थीश्रीरणश्रीर सिंहको तिब्बतियन चिकित्सा अधिकारी के पद पर आमनी क्लोनिक (लाहौल एवं स्पिति) केलांग वेत्रानान रापे 7000-220-8100-275-10300-340-10980 में तथा सन्य-सन्य पर संगोधित देव चिकित्सा निषेद्ध भत्ता सहित नियुक्त करने के राज्याल, हिमाचल प्रदेश सहर्ष ब्रादेश प्रदान करते हैं।

निव्कतिको शर्ते :

1. उररोक्त नियुक्ति की ग्रावश्यक सेत्रा शर्त यह होगी कि इस के उर-पंतर्ग जित्रहाँ कि कार्मिक विभाग के अनुदेशों अनुसार जन-जाीय एवं कठित क्षेत्रों का निर्वारण किया गया है, सभी अर्ते लागू होगी। जिनने न्यूनतम 5 (पांव) वर्ष का सेवा काल जन-जातीय एवं कठिंग नेत्रों में पूरा करना भी शामिल है।

2. यह पर प्रस्थाई है, परन्तु इसके जारी रहने की सम्भावना है।

3. वे दो तर्थ तरु पारशाला अवाज पर ्यु. प्रप्रित के दौरान उनकी सेवा बिना कारण बताये नोटिस के बिना, क्रिया के सेवा किया के स्वाप्त के सेवा के स्वाप्त के सेवा किती भी समय समाप्त की जा सकती है।

4. परिवोक्ता काल पूर्ण करने के बाद नियुक्ति प्राधिकारी नियक्ति को किसी भी सनग एक मास कः नोटिस देकर या इसके बदले चेतन देकर विना कारण वतारे सेवा समाप्त कर सकता है।

5. यदि अधिकारी स्बैच्छा से सरकारी सेवा से त्याग पत्र देना चाते तो उसे एक मास का नोटिस या एक मास का वेतन जम। करवाना होगा।

 सेवा की अन्य शर्ते सेवा सम्बन्धी नियमों और समय-क्षमय पर जारी अनुदेशों के अनुसार लाग होंगी ।

7. उन्हें कम से कम पांच वर्ष तक दायित्व के अधीन सेवा करनी होगी।

8. उन्हें पारन/हिमाचन प्रदेश के किसी भी भाग में प्रापात-कालोन समय को मिनाकर देश की रक्षा हेतु सेवा करने का दायित्व निभाना होगा ।

. 9. उन्हें नियमानुसार सरकार द्वारा निर्धारित पद पर अनिवार्य रूप से सामान्य भविष्य निधि में क्रंजदान देना होगा।

10. उनके ढारा किसी भी रूप में प्राईवेट प्रैक्टिस करना ्रितेषेघ है । उन्हें इनके बदने चिकित्सा निशेघ भत्ता नियमानुसार व समय-पमय पर जारी अनुदेशों के अनुरूप मिलेगा ।

11. उन्हें नियुक्ति पत्र इस गतं के साथ दिवा जा रहा है कि उनके चरित एवं पूर्ववृत्त सत्यापन उनके पत्र में हों ग्रन्थया उनकी नियक्ति रद्ध कर दी जायेगी ।

12. उनकी नियुक्ति निम्निलिखित प्रमाण-पत्नों/घोषणाच्चों को प्रस्तुत करने पर भी निर्भर करेगी :—

(क) दीन दयाल उपाध्याय (रिपन ग्रस्पताल), शिमला में गठित चिकित्सा बोर्ड में चिकित्सा ग्रारोग्य प्रमाण-पत्न लेना होगा ।

(ख) घोषणा कि उनकी केवल एक जीवित पत्नी होगी।

(ग) उन्हें भारत के संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ लेनी होगी ।

13. यदि उन्हें तिब्बतियन चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्ति उपरोक्त शर्तों पर स्वीकार हो तो. वे इस पत्र के जारी होने के 20 दिनों के भीतर उपरोक्त प्रमाण-पत्रों/घोषणा सहित श्रामची क्लोनिक (लाहौल एवं स्विती) केलांग में कार्य ग्रहण करें, नहीं तो उनका नियुक्ति पत्र रद्ध समझा जायेगा ।

14. उन्हें तैनाती स्थान पर कार्य-ग्रहण करने के लिए याता भत्ता/दैनिक भत्ता देव नहीं होगा ।

> ग्रादेश द्वारा, हस्ताक्षरित/-वित्तायुक्त एवं सचिव (ग्रायुर्वेद) ।

शिक्षा विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला, 12 प्रक्तूबर, 2001

संख्या जिला-II-छ (10)-4/2000.—दस विभाग की ग्रधि-सूचना संख्या शिला-II-ग (10)-3/83, दिनांक 9-9-1996 का श्रीधिक्रमण करते हुए वर्तमान राष्ट्रीय शिलक कल्याण प्रतिष्ठान राज्य कार्यकारिणी की समिति का पुनर्गठन नियम 4 (बी)(1) एवं नियम 5 (1) के अन्तर्गत दो वर्षों की श्रविध के लिए निम्नलिखित प्रकार तत्काल प्रभाव से किया जाता है:—

1.	शिक्षा मन्त्री	ग्रध्यक्ष
2.	शिक्षा सचिव	सदस्य
3	. शिक्षा निदेशक	सचिव (कोषाध्यक्ष)
	. शिक्षा निदेशक , प्रायमिक	सदस्य
5.	वित्त विभाग से नामित ग्रधिकारी	सदस्य
6.	श्री तुलसी राम चीहान सेवा निवृत्त	सदस्य
	उप-निदेशक शिक्षा, नेजदीक राजकीय	
	महाविद्यालय हमीरपुर ।	
7.	श्री विद्या प्रकाश गर्गे, सेवा निवृत्त मुख्याध्यापक, गांव जखमोत, डाकघर	सदस्य
	धिरथी, जिला हमीरपुर ।	
8.	एम 0 एत 0 सागर, उप-निदेशक केन्द्रीय	सदस्य
25	शिक्षा क्षेत्र मण्डी ।	
9.	श्री चमन लाल सोनी, गांव व डाकघर	सदस्य
	लंदगैर, जिला हमीरपुर ।	

इसके प्रतिरिक्त किसी भी जिला शिक्षा अधिकारी या अध्यापक को विशेष रूप से ग्रामंत्रित किया जा सकता है।

अन्य उतवन्य एवं गर्ते जिन्हें इस विभागकी ग्रधिसूचना संख्या^र ई0 डीं0 एन0-II-ए (4) 2/74, दिनांक 14-11-1977 दा अधिसूचित किया गया था अर्थारवर्तनीय रहेंगी ।

, राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक प्रतिवर्ष दो बार म्रायोजित की जायेगी ।

> ः हस्ताक्षरित/-ग्रायुक्त एवं सचिव (शिक्षा)।

वित्त विभाग

(कोष तथा लेखा मंगठन)

श्रधिमुचना

शिमला-171009, 28 अगस्त, 2001.

मंख्या 20-पी0एक०/68 फिन (टी० एण्डए०)—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, खेदपूर्वक श्री के० के० गुलेरिया, उप निदेशक (कोप निरी-क्षण), उत्तरी द्यमंशाला की 19-07-2001 को ग्रकस्मात मृत्यु की घोषणा करते हैं ।

> ग्राशा स्वरूप, वित्तायुक्त एवं सचिव (वित्त) ।

सिचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग

ग्रधिसूचनाएं

यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने व्यय पर सार्वजिक प्रयोजन के लिए भूमि अजित करनी अपेकित है । अतिएव एतेदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैना कि निम्न विवरणी में निर्विष्ट किया गया है, उपरोक्त *प्रयोजन के लिए भूषि का अर्जन अपेकित है।

- 2. यह अधिनुचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हैं
 या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-प्रजन अधिनियम, 1394
 की बारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गन जारो की जाती है।
- 3. पूर्वीक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत तभी अधिकारियों, जनके कर्मचारियों और श्रीमकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित भ्रयवा ग्रतुमत सभी ग्रन्य कार्यों को करने के लिए सहुर्य प्राधिकार देते हैं।
- 4. श्रत्याधिक ग्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुये राज्यराल, उक्त ग्रिधिनियम को घारा 17 की उप-घारः (4) के ग्रधीन यह भी निदेश देने हैं कि उक्त ग्रिबिनियम ती धारा 5-ए के उपवन्धा इस मामले में लागू नहीं होंगे।
- *गांव सांगटी, तहसील व जिला शिमता में सीवरेज स्कीम शिमला टाऊन के निर्माण हेंतु।

संख्या सिचाई 11-52/2001-शिमला

शिमला-2, 29 अक्तूबर 2001

ि विस्तृत ित्रवरणी तहसी	ाल: शिमला (ग्र	по)
	क्षेत्र	
खसरः न0	वाधा ।	बस्वा
2	3	4
42/1/1	0	2
2/1	1	9
	0	4
30/1	0	1
	तहसी खसरः न0 2 42/1/1 2/1 29/1	तहसील: श्रिमला (ग्र क्षेत्र खसरः न 0 वंश्वर ि $\frac{2}{2}$ $\frac{3}{42/1/1}$ $\frac{1}{29/1}$ $\frac{1}{0}$

			4	1		2	3	
l _a	Z				 			
	110/34/1	. 0	1			25/1	0 00	51
	110/34/2	0	10			23/1	v 01	76
	110/34/2 32/1	0	5					•
			·		किसा	4.	0 05	35
वित्सा	7	2	12					

तहसील: ज्ञिमला

*साव पर्गाम, तहसीम व जिला शिमला में सीवरेज रूकीम शिमला टाउन के निर्माण हेतु।

संख्या सिंबाई 11-51/2001-जिमला

सक्या	144.415	11-31/2001 14441			
		शिमला-2,	29	ग्रक्तूबर,	200.
वभोम		441/1		0	1
		443/1		0	1
		491/1		0	3
		468/1		0	4
		470/1		0	4
		470/2		1	4
		471/1		0	2
		47 2/1		1	1
		473/1		0	1
		476/1		0	7
		477/1		0	3
		7 2 9 / 4 8 0 / 1		0	1
		483/1		0	4
		488/1		0	2
		462/1		0	1

यत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के हेतू भूमि ली जानी प्रत्यावश्यक प्रपेक्षित है। मतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि नीचे विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त के प्रयोजन के लिए मपेक्षित है।

किता . . 15

2. यह घोषणा पूमि प्रजंन प्रधिनियम, 1894 की घारा 6 के उपबन्धों के प्रधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त प्रधिनियम की घारा 7 के उपबन्धों के मधीन भू-प्रजंन समाहर्षा, हिमाचल प्रदेश, लोक निर्माण विभाग शिमला को उक्त भूमि के प्रजंन करने के घादेश लेगे का एतदृश्वारा निदेश दिया जाता है।

3. इसके प्रतिरिक्त उक्त प्रधितियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह तिदेश देते हैं कि प्रत्यावश्यक मामला होने के कारण भू-प्रजैन समाहती, हिमाचल प्रदेश, लोक निर्माण विभाग, शिमला उक्त प्रधिनियम की धारा (9) की उप-धारा (1) के प्रधीन सूचना के प्रकाशन से 15 दिन की प्रविध समान्त होने पर पंचाट देने मे पूर्व भूमि का कब्जा ले सकता है।

4. भिम का रेखांक भू-अजन समाहती, हिमाचल प्रदेश, लोक निर्माण विभाग, शिमला के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

*गांव बड़ाह, तहसील व जिला शिमला में सीवरेज नेट बर्क (पाईप लाईन) के निर्माण हेत्।

संख्या मिचाई 11-91/2000-मिमला

जिमला- 2, 29 अन्तुवर, 2001.

विश्वत विवरणी

ाजला : ।शामला	ন্	तहसील : शिमला (या०)		
गांव 1	चसरा नं0 2	क्षेत्र (हैक्टेयरों में) 3		
बढ़ाह	16/1 26/1	0 01 48 0 01 60		

 शांव बढ़ई, बहुबीच व जिला शिमना में सीवरेज पाईप नाईन के निर्माण हेतु ।

संख्या सिचाई 11-50/2001-फिमला

जिमला-2. 2 नवम्बर, 2001.

बढ़ई 1 357/7 10/1 0 5 स्रावेश द्वारा, हस्ताक्षरित/-मचिव। बहुद्वेशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग

•

घधिस्चना

भिमला, 11 ग्रक्तूबर, 2001

संख्या विद्युत-छ-(5) 12/2001 — इस विभाग की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 21-8-2001 में गांव शनानदेन, तहसील सांगला, जिला किन्नौर में प्रधिग्रहण की जाने वाली भूमि में खसरा नम्बर 4 जिसका रकबा 0-01-89 है, के पश्चात तथा खसरा नम्बर 25 जिसका रकबा 0-07-58 है, से पहले खसरा नम्बर "3/1" रकबा "0-10-86" है, व खसरा नम्बर, "3/2" रकबा "0-15-29" है, जोड़ा जाए । कुल कित्ता 20 के स्थान पर "22" तथा कुल रकबा 0-75-97 के स्थान पर "0-02-12" है पढ़ा जाए ।

ग्रादेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-सचिव (विद्युत), ।

राजस्व विभाग (प्रोजैक्ट सैल),

(4(1)141) (4(1)2 (44)

प्रधिसूचनाएं

शिमला, 11 अक्तूबर, 2001

संख्या 5-3/88-प्रोजैनट.---इस विभाग की समसंख्यक ग्रीधमूचना दिनांक 12-8-1996 की निरन्तरता में राज्यपाल,
हिमाचल प्रदेश, जिला स्तरीय चमेरा परियोजना विस्थापित पुनर्वास
एवमं सलाहकार समिति को 2 वर्ष के लिए पुनर्गठित करने के
सहर्ष ग्रादेश देते हैं। जिसका उद्देश्य चमेरा परियोजना के प्रथम
चरण तथा द्वितीय चरण के निर्माण से विस्थापित हुए व्यक्तियों की
समस्याग्रों से राज्य स्तरीय समिति को सलाह देना है, जो तुरन्त
प्रभावी होंगे। इस समिति में निम्नलिखित सरकारी व गैर-मरकारी
मदस्य होंगे :---

 राज्य मन्त्री (राजस्व) 	ग्रध्यक्ष
 राज्य मन्त्री (ग्रायुर्वेदा) 	उपाध्यक्ष
 श्री हर्ष महाजन विधायक चम्बा 	सदस्य
 श्रीमती आशा कुमारी विद्यायक बनीखेत 	सदस्य
 श्री सुरेश कुमार , प्रधान ग्राम पंचायत 	गैर-सरकारी
साम्बल्यू, डॉकघर खैरी ।	सद स्य
6. श्री व्यास देव प्रधान ग्राम पंचायत शेरपुर,	"
डाकघर शेरपुर ।	
7. श्री भगत राम सदस्य साम्बल्लू, डाकघर खैरी	<u>11</u>
 श्री कमल कुमार सुपुत्र श्री परषोत्तम, गांव 	11
क्रांगल, डाकघर भलेई ।	
9. श्री जीवन सिंह सुपुत्र श्री माघो, गांव क्रागल,	"
डाकघर भलेई।	
<u> </u>	

10. श्री रत्न चन्द सुपूत्र श्री लच्छ राम, गांव

बांगल, डाकघर भलेई।

- 11. श्री धर्म सिंह चौहान, गांव साल, डाक्चर चकल् गैर-सरकारी 12. श्री लोको राम नुपुत श्री टिन्क्, गांव व डाकघर
- चकल् । 13. श्री चरण दास मृगुत्र श्री मनसा राम, गांव
- डाकघर चकल। 14. श्री मदन रावत ग्रध्यक्ष चमेरा विस्थापित
- कल्याण समिति । 15. श्री ग्रमर सिंह मान्दला प्रधान चमेरा विस्थापित कल्याण
- 16. श्री नरेश कृमार महासचिव
- 17. श्री जालम सिंह उत्त-प्रधान 18. श्री जय सिंह उप-प्रधान चमेरा विस्थापित
- कल्याण समिति । 19. महा प्रवन्धक चमेरा हाईड़ो इलैक्ट्रिक परियोजना-प्रतिनिधि परियोजना इलहौजी ।
- 20. मुख्य ग्राभियन्ता (सीविलि) चमेरा परियोजना
- 21. ग्रायुक्त (राजस्य) शिमला सरकारी सदस्य 22. उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा 11
- 23. ग्रधीक्षण ग्रभियन्ता (सिचाई) चम्बा 24. अधीक्षण ग्रभियन्ता (ग्राप्रेणन) हि 0 प्र 0 विदात **उलहोजी** ।
- 25. अधिक्षण अभियन्ता लो० नि० वि० इलहाँजी 26. ग्ररण्यपाल, वन विभाग चम्या
- 27. उप-मण्डल ग्रधिकारी (सिविल) चम्बा, चराह, डलहौजी ।
- 28. भ-ग्रर्जन ग्रधिकारी चम्बा 29. राहत एवं पुनर्वास अधिकारी, चम्बा नदस्य-सचिव ।
- जिलाधींग, चन्द्रा गैर-सरकारी सदस्य के यावा भन्ता बिलों के नियंत्रक ग्रधिकारी होंगे तथा यात्रा भन्ता बिलों पर प्रतिहस्ताक्षरित करेंगे।
- 5. गैर-सरकारी सदस्यों के यात्रा भत्तों तथा दैनिक भन्तों का खर्चा मुख्य शीर्ष 2053 --जिला प्रशासन -093-जिला स्थापना--01 सामान्य स्थापना से देय होगा ।
- विद्युत्त विभाग की पूर्व स्वीकृति जो उनके प्रशा0 पत्न संख्या 850-फिन-सौ-ए-(3)-6/93 दिनांक 01-07-1996 के द्वारा ली गई है के पश्चात ग्रधिसूचना जारी की जा रही है।

शिमला, 11 अन्त्वर, 2001

नं 0 रैंव (पी 0 सी 0) सी (4)-3/96.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसुचना दिनांक 10-7-2001 का संशोधन करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, राज्य स्तरीय नाथपा झाकड़ी पावर कार्पोरेशन परियोजना व वासपा विस्थापित पुनर्वास एवं सलाहकार समिति में निम्नलिखित पांच सदस्यों को गैर-सरकारी सदस्य के हप में मनोनीत करने के सहर्ष ग्रादेश देते हैं जो तुरन्त प्रभावी होंगे।

- 1. श्री महेन्द्र सिंह, गांव छोण्डा, डाकघर निग्लसरी
- 2. श्री श्यामा नन्द, गांव डाकघर चौरा
- 3. श्री तारा चन्द, दुकानदार, गांव काचे, डाकघर पलिगी, तहसील निचार।
- 4. श्री दलीप सिंह, गांव व डाकघर तरण्डा, तहसील निचार
- श्री शिव कुमार, गांव व डाकघर नाथपा, तहसील निचार
- 2. इसके अतिरिक्त राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिसूचना के ऋम संख्या 7 व 8 में दर्शीये गये नाम (भगत सिंह नेगी, श्री चन्द्र सिंह, कम संख्या 10 व 22 पर श्री भगत सिंह नेगी, गांव न्य छेन्डा, तहसील निगुलसरी तथा श्री शंकर सिंह, गांव निचार) की सदस्यता को समाप्त करने के भी सहर्ष ग्रादेश देते हैं।
 - 3. इस सिमति के गैर सरकारी सदस्य सिमति से सम्बन्धित कार्य के लिए की गई यात्रा/माइलेंज/दैनिक भत्ता लेने के हकदार होंगे ।
 - 4. सचिव/ग्रवर सचिव सचिवालय प्रशासन लेखा हिमाचल प्रदेश गैर सरकारी सदस्यों के नियन्त्रक अधिकारी होंगे तथा उनके याता बिलों को बनायेगी व इसका खर्चा मुख्य शीर्ष 2052-सचिवालय समान्य सेवा -- 090 सचिवालय -- 01 मुख्य सचिवालय यात्रा भता खर्चे से देय होगा ।

णिमला-171002, 15 ग्रक्तुबर, 2001

संख्या रेव (पी० डी०) ई० (।)-1/94.—इस विशास के समसंस्थक प्रधिमूचना दिनांक 15 मई, 1999 की निरम्नर्या में राज्य-पाल, हिमाचल प्रदेश जिला स्तरीय वासपा हाईडल परियोजना दिरथाणित पुनर्वास एवं सलाहकार समिति को संसदीय सचिव (जनजातीय विकास) की अध्यक्षता में स्नागामी दो वर्ष की स्रवधि के लिए पुनरंटित करने के सहर्ष ब्रादेश देते हैं। इस समिति के उद्देश्य वासपा हाईडल परियोजना के जिस्थापितों के पुनर्वास एवं यन्य सप्रस्थायां का समाधान करना है। इस समिति के गैर-सरकाी और सरकारी सदस्य निम्नलिखित होंगे :-

- श्री चैत राम नेगी, संसदीय मचित्र (जनजातीय) ग्रध्यक्ष 2. उपायकत किन्नौर उपाध्यक्ष
- कैप्टन ठाकुरदास (सेवा निवृत्त) गांव व डाकघर
- क्पा, जिला किन्नौर । गैर मरकारी सदस्य
- 4. श्री भीरम सिंह नेगी सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, गांव ন্থীৰ चमलीग, डाकघर मांगला, तहसील सांगला, जिला
- श्री विनय सिंह नेगी सुपुत्र श्री ग्रमीर चन्द, गांव नथैव व डाकघर सांगला, जिला किन्तीर ।
- 6. श्री प्रमोद कुमार नेगी मुपुत्र श्री हीरा चन्द, गांव त्रयैव व डाकघर किल्वा, तहसील मांगला (किन्नौर) ।
- 7. ग्रिश्रिणाणी ग्रीमयन्ता (सि 0 एत् 0 जन-स्वास्थ्य सरकार) सदस्य विभाग), रिकांगपिश्रो ।
- 8. अधिणाषी अभियन्ता (लो० नि० वि०) कड्छम नयैव (किन्तौर) ।
- 9. ग्रधिणापी ग्रमियन्ता (हि0 प्र0 वि0) बोर्ड किन्तीर বখঁৰ
- 10. उपमण्डलाधिकारी (ना0) रिकागिपयो বৰ্মৰ सर्पव
- भ्-ग्रर्ज न ग्रधिकारी, वासपा, किन्छार 12. वन-मण्डलाधिकारी, निचार नथंब
- नर्भव
- 13. परियोजना अधिकारी, (रूडडा)
- 14. जिला कल्याण ग्रधिकारी, किन्नार नथंब
- 15. उपायक्त, किन्नौर के महायक ग्रायक्त मदस्य सन्तिव
- 2. उपरोक्त समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समिति से सम्बन्धित कार्य के लिये की गई यात्रा भरता/माईलेज/ईनिक भन्ता नियमानसार देय होगा ।
- 3. सरकारी सदस्यों को उन पर लागू यात्रा भस्ता नियमाननार देय होगा ।
- उपायुक्त किल्नीर गैर-सरकारी सदस्यों के नियन्वण प्रधिकारी होंगे ग्रीर यांत्रा भक्ता बिलों को प्रतिहस्ताक्षरित करेंगे।
- 5. यात्रा भक्तो का खर्चा मख्य शीर्ष 2053-जिला प्रशःसन-03-जिला स्थापना 01-सामान्य स्थापना यात्रा भत्ता मे देय होगा ।

यादेश/तसार.

हरूना अस्ति। वित्तायुक्त एवं सचिव (राजस्व)।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

ग्रधिसूचनाएं

शिमला-171004, 2 जुलाई, 2001

संख्या 6-62/81-वि0 स0--हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय (भर्ती एवं सेवा शर्ते) नियम, 1974 के नियम, 8 में निरहत शक्तियों का प्रयोग करते हुये अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधान सभा इस सचिवालय की समसंख्येक ग्रिधसूचना दिनांक 1 जनवरी. 2001 हारा श्री रोशन लाल जम्बाल की उप-सचिव (प्रथम श्रेणी) वेतनमान 12000-15000 रुपये के पद पर दिनांक 1-1-2001 में नदय ब्राधार पर की गई पदोन्नित को दिनांक 1-7-2001 में नियमित करने के सहर्ष ग्रादेश देते हैं।

णिमला-171 004, 2 ज्लाई, 2001

को दिनांक 1-7-2001 से नियमित करने के महर्ष ग्रादेण देते हैं।

संख्या 6-62/81-वि0 स0.--हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय (भर्ती एवं मेवा गर्ते) नियम, 1974 के नियम 8 में निहित सक्तियों का प्रयोग करते हुये ग्रध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधान सभा इर सचिवालय की समसंख्यक ग्रिष्ठिमूचना दिनांक 13 जन, 2000 हारा श्रो केसर दास प्रवर सचिव (प्रथम श्रेणी), वेतनमान 10025-15100 रुपये के पद पर तदर्थ आधार पर की गई पदोन्नति

हस्ताक्षरित/-ग्रध्यक्ष. हिनाचन प्रदेश विधान सभा।

प्रादेश द्वारा.

TOURISM DEPARTMENT

OFFICE ORDER

Kangra, the 16th October, 2001

No. 7-50/2001-DTO(DMA)-1362.-Whereas Kamal Guest House, Pragpur, District Kangra is registered in the name of Smt. Kamla Patial w/o Shri Davinder Singh, ro Pragpur, Tehsil Dehra, District Kangra vider registration No. DMA/HTL-213/2001-275, dated 19-4-2001 under the H. P. Registration of Tourism Trade Act. 1988 and Rules framed thereunder.

Whereas Smt Kamla Patial, Proprietor of Kamal Guest House, Pragour has applied for the cancellation of its registration along with registration certificate.

Now, therefore, I, Chaman Singh, HAS, District Tourism Development Officer, Kangra at Mcleodganj (Precribed Authority) under the above act in exercise of the powers vested in me vide section 13/d of the H. P. Registration of Tourist Trade Act, 1988 hereby remove the name of the Guest House from the register and cancel its certificate of registration with immediate effect.

> CHAMAN SINGH, Prescribed Authority, District Tourism Development Officer, Kangra at Mcleodganj.

Form 'O'

FORM OF NOTICE UNDER SECTION 24

Mandi, 18th October, 2001

4833-38.—Whereas a notice was served on 29-8-2001 under section 23 of the Himachal Pradesh State Aid to Industries Act, 1971 calling upon the said Shri Nain Singh to pay to me the sum of Rs. 3097+ Intt. extra before the 15-9-2001 and whereas the said sum has not been paid, I hereby declare that the sum of Rs. 3097+ Intt. extra is due from the said Sari Nain Singh and that the property

माग-2 वंधानिक नियमों को छोएकर वितिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मंजिस्ट्रेटों हारा अधिस्चनाएं हत्यादि decribed in the attached schedule is liable for the satisfaction of the said debt,

TWO PERSONAL SURETIES

- Shri Ram Lal s'o Shri Prem Dass H. No. 184/12, Ram Nagar, Mandi Town.
- 2. Shri Rattan Chand s/o Shri Parma Nand, Village Tamled P. O. Chowk, Tehsil Sarkaghat, District Mandi (H. P.).

Sd/-General Manager District Industries Centre Mandi (H. P.).

Form 'O'

FORM OF NOTICE UNDER SECTION 24

Mandi 18th October, 2001

No. 4839-44.—Wheres a notice was served on 23-10-2000 under Section 13 of the Himachal Pradesh State Aid to Industries Act, 1971 calling upon the said Smt. Kanchan Sharma w/o Shri Mahesh Sharma to pay to me the sum of Rs. 20,000 + Intt. extra before 6-11-2000 and whereas the said sum has not been paid. I hereby declare that the sum of Rs. 20,000/+ Interest extra is due from the said Smt. Kanchan Sharma and that the property described in the attached schedule is liable for the satisfaction of the said debt.

TWO PERSONAL SURETIES

- 1. Shri Sudesh Kumar s/o Shri Devi Chand H. No. 59/10, Chabata Bazar, Mandi Town (H. P.).
- 2. Shri Hans Raj Malhotra s'o Shri Hem Raj Malhotra, H. No. 64/1, Khaliar, Mandi Town (H. P.).

Sd/-General Manager District Industries Centre Mandi (H. P.).

भाग-3---अिनियम, विद्येयक और विद्येषको पर प्रवर समिति के प्रतिबेदन, वैद्यानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाजल प्रदेश हाई कोर्ट, काईने अधल कथिशनर तथा किन्शनर आँफ इन्कम टेक्स द्वारा अधिस्थित आदेश इत्यादि ।

गामान्य प्रशासन विभाग (''क'' ग्रनुभाग)

ग्रधिस्चना

शिमला-171002, 10 सितम्बर, 2001

सक्या जो 0 ए० डी १-ए० (ए०) (3-1/7 7-11 - हिमाचल प्रदेण के राज्यपाल, भारत के सविधान के ग्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शवितयो का प्रयोग करते हुए, सामान्य प्रशासन विभाग, हिमाचल प्रदेश सचिवालय में कर्मशाल। सहायक, वर्ग-4 (ग्रराजपत्रित) के पद के लिए इस ग्रधिमूचना के साथ मलक्त उपादन्छ "क" के ग्रनगार भर्ती एवं प्रोतिनियम बनाते हैं, प्रचात : --

- संक्षित नाम भीर प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षित ताम हिमाचन प्रदेश सजिवालय (सामान्य प्रशासन विभाग) कर्मणाला सहायक, वर्ग-4 (ग्रराजपांत्रत) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2001 है।
- (2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाणित किए जाने को तारीखांग प्रवस्त हार्ग।

- 2 निरसन ग्रोर व्यावृत्तियां. (1) ग्रविस्चना संख्या जी०ए० डी 0-ए 0 (ए, 0) 3-1/77, तारीख 5-11-1988 द्वारा श्रधिमुचित दी हिमाचल प्रदेश जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमैट (''ए'' सैक्शन) वर्कणाप टैननीकल सर्विसिज रैनस्टमेंट एण्ड प्रभोणन रुल्ज, 1988 का एतदहारा उस विस्तार तक निरसन कियाजाता है जहां तक कि ये कर्मणाला सहादक के पद ने सम्बन्धित है।
- (2) ऐसे निरमन के होते हुए भी उन्नंबन निश्म 2 (1) के प्रधीन इस प्रकार निर्शासत नियमों के बबीन की गई कोई नियुक्ति, दात या कार्रवार्ट इन नियमों के प्रधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जाएगी।

ब्रादेश आरा,

हस्नाअरित/-प्रायम एवं सचिव। उपाबन्ध "क"

सामान्य प्रशासन विभाग हिमाचल प्रदेश सचिवालय में कर्पणाला सहायक के पद के भर्ती एवं प्रोन्तित नियम

- पद का नाम
- कर्मगाला सहायक
- पदों की संख्या 2.
- 6 (B:)

लागु नहीं

- वर्गीकरण
- वग-4 (अपराजपत्रित) ग्रतकनीकी ।
- वेतनमान
- ₹0 2720-100-3220-110-3660-120-4260.
- चयन पद ग्रथना ग्रचयन पद
- 6. संगधी मर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्राय ।

18 वर्ष से 45 वर्षके मध्य:

परन्तु सीधी भर्ती कं लिए उपरी श्राय सीमा तदर्घ या संविदा पर नियुक्त किए गए पहले से सरकार की सेवा में नियुक्त व्यक्तियों सहित ग्रम्थियों को लागू नहीं होगी:

तदर्भ ग्राधार पर नियक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक श्रायुकों हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के ग्राधार पर नियक्ति के कारण विहित ग्रायु में छूट के लिए पान नहां होगा :

परन्तु यह ग्रीर कि यदि

परन्तु यह श्रौर कि ग्रन्सुचित जातियों/ग्रनसृचित जन जातियों तथा ग्रन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिये उच्चतम ग्राय सीमा में उतनी ही छट दी जा सकेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के माधारण या विशेष ग्रादेशों के ग्रधीन ग्रनजेय है:

परन्तु यह ग्रौर भी कि पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकाबों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पश्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों में ग्रामलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में ब्रायु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी, जैसी सरकारी कर्मचारियों को स्रनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पश्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत नियायों के ऐसे कर्मचारी बन्द को नहीं दी जायंगी जो पश्चात्वर्ती ऐस निगमों/ स्वायत निकायों द्वारा नियक्त किए गयं थे/किए गए हैं धौर उन पिलिक मैक्टर निगमों/स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के प्रचात ऐसे निगमीं/स्वायत निकायों की सेवा में प्रन्तिम रूप से ब्रामेजित किए गये

(1) सीधी भती के लिए बाय सीमा की गणना, उस वर्ष में जिसमे कि पद (पदीं) की रोजगार केन्द्रों को विज्ञापित किया गया है या जैसा भी

हैं/किए गए थे।

that is all dente wainsi किसी मामले में अपेक्षित हो, के प्रथम दिवस से की जाएगी।

- (2) ग्रन्यया सुग्रहित प्रक्यवियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए ग्राय सीमा ग्रीर ग्रनभव भर्ती प्राधिकरण के विवेकानमार जिथिल की जा मकेगी।
- 7. सीधी भर्ती किए जाने वाले (क) अभिनवार्य अहंताएं: भ्यवितयों के लिये प्रपेक्षित न्युनतम गैक्षणिक ग्रीर ग्रन्य एहंनाएं।
 - (i) केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूली शिक्षा वोर्ड से ग्राठवी भ्रयवा समवः स परीक्षा पाम की हो ।
 - (ii) ऋौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से मोटर मैकेतिक ट्रेड में प्रशिक्षित व्यक्तियों को ग्रिध-मान दिया जाएगा।
 - (iii) हल्के मोटर वाहनों के ग्राम उथ पूर्जी का ज्ञान होना चाहिए ।
 - (ख) वांछनीय अहंताएं : हिमाचल प्रदेश की रूढियों. रीतियों श्रीर बोलियों का ज्ञान ग्रीर प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाग्रों में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता ।
- 8. सीधी मर्ती किए जाने आर्यः लागनहीं वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु ग्रीर शैक्षणिक शैक्षणिक अर्हनाएं: लाग नही ग्रहंताये प्रोन्नति की
- 9. परिवीक्षा की अवधि, पदि कोई हो।

दशा में लागु हांगी या

नहीं।

- दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से ग्रनधिक ऐसी ग्रौर ग्रवधि के लिए विस्तार किया जा मकेगा जैसा सक्षम प्राधि-कारी विशेष परिस्थितियों में लिखित कारणों ब्रादेश दें।
- 10. भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रति-निय्क्ति या स्थानान्तरण द्वारा श्रौर विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।
- 11. प्रोन्नति, प्रतिनिय्वित या स्था-नान्तरण की दशां में श्रेणियां जिनसे प्रोन्तित, प्रतिनियुनित या स्थानान्तरण किया जायेगा।

शतत्रतिशत सोधी भर्ती द्वारा

लाग नहीं

(1) प्रोन्नति के सभी माम तो में पद पर निर्यामत नियक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर नदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित नेवा-काल के लिए, निम्नलिखित शतौं के ग्रधीन रहते हुए गणना में जी जाएगी, बशर्ते कि समीर्ण पद पर

नियुक्ति/पदोन्नित सम्बन्धिन पद के

भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के प्रन्-सार चयन हेत् निर्वारित प्रक्रिया

को ग्रपनाकर की गई हो। (i) उन सभी मामलो मे जिनमें कोई कतिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में प्रपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक की गई तबर्प सेवा/तियमिस नेवा नियुक्ति कहित i. e. followed by regular service/appointment को कामिल करकें) के प्राचार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपन्यां के कारण विचार किए जाने का पात हो जाता है, वहां उससे विरिष्ट सभी व्यक्तित विचार किए जाने के पात समझे जाएंगे और विचार कर ते समय किनष्ठ व्यक्ति से उत्पर रखें जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर भीन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम प्रहेता स्था या पद के भर्ती एवं पदोस्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां
कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की प्रपेक्षाओं के कारण प्रोन्तित किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए ग्रपाव हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्ति के लिए विचार के लिए ग्रपाब समझा जाएगा।

स्पर्धाकरण.-अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत क्रनिष्ठ पदधारी प्रोग्निति के लिए ग्रपात्र नहीं सम्झा जाएगा वरिष्ठ व्यक्ति भृतपूर्व सैनिक है जिसे हिमोबिलाईजड आमंड कोसिज (रिजर्वेशन ग्राफ परसोनल वेंकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सविसिज) हत्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्स-सर्विस-मैन (रिजर्वेशन ग्राफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985 नियम 3 के प्रावधानों के श्रन्तर्गत भर्ती किया गया हो टनके ग्रन्तर्गत बरीयता लाभ दिए गए हों।

> (2) इसी प्रकार स्थायी-करण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्निति सं पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदयं सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली काएगी, वणतें संमीण पद पर तदयं नियुक्ति/पदी-नित सम्बन्धित पद के भर्ती एवं पदीन्नित नियमों के प्रनुसार चयन हेतु निधारित प्रक्रियां अपनाकर की गई हो :

परन्तु 31-3-1998 तक तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पण्चात् जो न्यायोकरण होगा उसके फल-स्वरूप पारस्परिक वरीयता ग्रपरिवर्तित रहेगी । 12. यदि विभागीय प्रोन्तित समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना।

13. भर्ती करने में जिन परि-स्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा ग्रायोग से परामधी किया जाएगा।

- सीघी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा।
- 15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुमितमों के लिये चयन।

१६ सारक्षण

17. शिथिल करने की शिक्त

लागू नहीं

्रजैसाकि विधिद्वारा भाषेक्षित है।

किसी सेवाया पद पर नियुक्ति के लिए अध्ययीं का भारत का नागरिक होना आवश्यक है।

नागरिक होना श्रावश्यक है।
सीधी भर्ती के मामले मे पद पर
नियुक्ति के लिए जयन मौखिक
परोक्षा के भ्राधार पर, और यदि
भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना
श्रावश्यक या समीचीन समझे,तो
लिखित परीक्षा या व्यवहारिक
परीक्षा के श्राधार पर किया
जाएगा जिसका स्तर/ताठ्यकम
भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित
किया जाएगा।

उक्त सेवा में नियुक्ति हिमाचल प्रदेश गरकार द्वारा समय-समय पर प्रनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों/ प्रत्य पिछड़े वर्गों और प्रत्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये सेवाओं में आरक्षण की वावत जारी किए गए पादेशों के श्रधीन होगी।

जहां राज्य सरकार की यह

राय हो कि ऐसा करना

म्रावश्यक या समीचीन है,

वहांवह कारणों को ग्रभिलि-

खित करके ग्रीर ग्राटेश द्वारा

इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों

को किसी वर्गया व्यक्तियों के

प्रवर्ग या पदों की वाबत शिष्टिल कर सकेगी। [Authoritative English text of this department's notification No. GAD-A (A) 3-1/77-II, dated the 10th September, 2001 as required under clause (3) of

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT (A-Section)

Article 348 of the Constitution of India].

NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th September, 2001

No. GAD-A (A)3-1/77-II.—In exercise of the powers conferred under Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Workshop Helper, Class-IV (Non-Gazetted), in the General Administration Department, Himachal Pradesh, Secretariat as per Annexure "A" attached to this Notification, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Scottariat General Administration Department, Workshop Helper, Class-IV (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2001.
- (2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, H. P.
- 2. Repeal and savings.—(1) The Himachal Pradesh General Administration Department (A Section) Workshop Technical Services, Recruitment and Promotion

1988, notified vide notification No. GAD-A Rules, 1988, notified vide notification No. GAD-A (A) 3-1/77, dated 5th November, 1988 are hereby re-pealed to the extent these pertains to the post of Workshop Helper.

(2) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the rules, so repealed under rule 2 (1) supra shall be deemed to have been validly made, done or taken ander these rules.

By order,

Sd/-Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE "A"

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF WORKSHOP HELPER (NON-GAZET-TED) CLASS-IV IN THE DEPARTMENT OF GENERAL ADMINISTRATION, HIMACHAL PRADESH SECRETARIAT, SHIMLA-2

Name of the post.

Workshop Helper

Number of posts

6 (Six)

Classification 3.

Class-IV (Non-Gazetted) Non-Technical.

4. Scale of pay

Rs. 2720-100-3220-110-3660-120-4260.

Whether selection post or Non-Selection post.

Age for direct recruit-

N. A.

Between 18 years and 45 years:

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on ad hoc or on contract basis:

Provided further that if a candidate appointed on ad hoc basis had become overage on the date when he was appointed as such he not be eligible for shall any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such ad hoc or contract appointment:

Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Categories of persons to the extent permissible under general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations/Antonomous Bodies at the time of initial constitutions of such Corporations/ Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible Government to

servants. This concession will not, however, admissible to such staff of the Public Sector Corporation/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporation/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in service of such Corporations/ Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporation/ Autonomous Podies.

- (1) Age limit direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications OF notified to the Employment Exchanges or as the case may be.
- (2) Age and experience in the case of direct recruitment, relaxable at the discre ion of the Recruitment in case the Authority eandidate well qualified.
- 7. Minimum educafications required for direct recruits.
 - (a) Essential:
 - tional and other quali- (i) Should have passed Middle Standard or equivalent examination from a Board of School Education recognised by Centrai State Government.
 - (ii) ITI trained persons in Motor Mechanic Trade will be given preference. (iii) Knowledge of

neral main parts of light

- motor vehicles. (b) Desirable Qualification: Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.
- 8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees.
- 9. Period of probation, if anv.
- 10. Method of recruitment-whether direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.
- 11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer is to be made.

Age: Not applicable Educational Qualifications: Not applicable.

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

100% by direct recruitment.

N. A.

(1) In all cases of promotion, the continuous ad hoc service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions that the ad hoc appointment/ promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided thar:

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on ad hoc basis upto 31-3-1998 followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the R & P Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985

and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous ad hoc service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the ad hoc appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of R & P Rules:

Provided that inter-se seniority as a result of confirmation after taking into account ad hoc service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?

Not applicable

 Circumstances under which the H.P. P.S.C. is to be consulted in making recruitment. As required under the law.

- 14. Essential requirement for a direct recruitment.
- A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India.
- 15. Selection for appointment to post by direct recruitment.

appointpost by ment to the post in the case
tment.

of direct recruitment shall
be made on the basis of wiva
voce test, if the recruiting
authority so consider necessary or expedient by a written
test or practical test, the
standard/syllabus, etc. of
which will be determined by
the recruiting authority as
the case may be.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Backward Classes/Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expecient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these Rules with respect to any Class or category of persons or posts.

हिमाचन प्रदेश खादी ग्रीर ग्रामोद्योग बोर्ड को सहायता भनुदान के संदाय विनियमित करने के लिए नियम, 1972

नियमों का कम

णु⊮ नियमः

- 🖚 1. संक्षिप्तनाम व प्रारम्भ ।
 - 2. परिभाषाएं।
 - 3. प्रयोजन जिसके लिए सहायत। स्रनदान दिया जा सकेमा।
 - 4. सहायता अनुदान के संदाय के लिए शर्ते।

उद्योग विभाग

ग्रधिम्बना

णिमला-2, 12 जनवरी, 1973

- संख्या 2-142/69-एस0ग्राई0(के0 बी0).—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोड ग्रिधिनियम, 1966 की धारा 35 के ग्रधीन उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की सहायता ग्रनुदान के संदाय के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—
 - संक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश खादी श्रीर ग्रामोद्योग बोर्ड को सहायता ग्रनुदान के संदाय को विनियमित करने के लिए नियम, 1972 है।

(ii) ये तुरन्त प्रवृत होंगे ।

- परिभाषाएं.---इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यवा अपेक्षित न हो,----
- (i) "श्रश्चिनियम" से, हिमाचल प्रदेश खादी ग्रीर ज्ञामोद्योग बोर्ड ग्रिधिनियम, 1966 (1966 का 8) श्रीमग्रेत हैं;
- (ii) "नियम" से, हिमाचल प्रदेश खादी ग्रौर ग्रामोद्योग बोर्ड नियम, 1966 अभिप्रेत है;
- (iii) ''बोर्ड'' से, धारा 3 (i) के प्रधीन स्थापित हिमाचल प्रदेस खादी ग्रीर ग्रामोद्योग बोर्ड अभिप्रेत हैं;
- (iv) इन नियमों में, शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो इस अधिनियम और तदधीन बनाए गए नियमों के हैं।
- 3. प्रयोजन जिसके लिए सहायता अनुदान दिवा जा सकेगा.— हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड को, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए सहायता अनुदान दिया जा सकेगा :—
- (i) बोर्ड द्वारा नियोजित प्रशासनिक, तकनीकी और अन्य कर्मचारीवृन्द के बेतन स्रौर भत्तों के मद्दे प्रशासनिक व्यय की पूर्ति ।
- (ii) बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों, सचिव, सदस्यों और अन्य सहयुक्त व्यक्तियों के मानदेय, यात्रा और दैनिक भीर अन्य भत्तों के महत्व्यम की पूर्ति।
 - (iii) त्राकस्मिक ग्रौर अन्य प्रभारों के ज्यय की पृति ।
- (iu) बोर्ड के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए कार्यालयों, गोदामों तथा क्कंग्रैडों आदि के आवास व्यवस्था के लिए इमारतों, गोदामों, वर्कग्रैडों के निर्माण, कय और किरायेपर लेने के लिए व्यय की पूर्ति।
- (प) म्योनरी, प्रौजारों भ्रौर उपन्कर तथा वाहनों के कप और रख-रखाव पर अध्य की पूर्ति ।

- (vi) खादी और ग्रामोद्योग के विकास के संप्रवर्तन, प्रोत्साहन और सहायता के लिए वोर्ड के व्यापार और कारोबार के कियाकनार्पों के मद्दे व्यय की पूर्ति ।
- (νii) खादी ध्रौर ग्रामोद्योग के प्रभावी विकास पर प्रक्रिक्षण च्रौर अनुसन्धान के मद्दे व्यय की पृर्ति ।
- (viii) खादी ग्रौर ग्रामोद्योग के विकास से सम्बद्ध श्रौजारों ग्रौर उपस्करों के विनिर्माण पर ब्युब की पूर्ति ।
- (ix) विज्ञापन श्रीर प्रचार श्रीर भण्डार, दुकानें, वाणिज्य केन्द्र खोल कर श्रीर प्रदर्शनियों द्वारा तैयार उत्सादों के विषणन श्रायोजित करने के मद्वे करने व्यथ की पूर्ति ।
- (X) किसी अन्य मद्वे व्यय की पूर्ति जो बोर्ड के लक्ष्यों स्रीर उद्देण्यों को अग्रसर करने के लिए स्रावण्यक हो।
- 4. महायता अनुदान के संदाय के लिए शर्ते. —(i) सरकार, बोर्ड द्वारा प्रस्तुत वजट प्रस्तावों की संवीक्षा करने के पण्चान् और निधियों की उपलब्धता के अध्यक्षीन बोर्ड के प्रशासनिक व्यय की सहायता अनुदान के रूप में शतप्रतिशत संदाय करेगी ।
- (ii) सरकार बोर्ड द्वारा प्रस्तुत बजट प्रस्तावों की संवीक्षा करने के पश्चात् और निधियों की उपलब्धता के अध्यवीन जैसी वह आवश्यक समझे प्रशासनिक व्यय से भिन्न व्यय बोर्ड की सहायता अनुदान के रूप में संदत्त कर सकेगी।
- (iii) बोर्ड द्वारा सरकार के सहायता अनुदान में से पूर्णतया सारतः अर्जित आस्तियां सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना, जिसके लिए अनुदान मंजूर किए गए थे से भिन्न प्रयोजनों के लिए व्ययनित, विस्लगमित और उपयोग नहीं की जाएगी।
- (iv) बोर्ड स्थायी भ्रोर श्रर्ध-सरकारी ग्रास्तियों के लिए विहित प्ररूप में सरकार द्वारा एक रजिस्टर रखेगा (सरकारी ग्रनुदानों में पूर्णत: या मुख्यतया से ग्राजित) श्रोर उसकी प्रतिलिप सरकार को प्रतिवर्ष दी जाएगी । यह रजिस्टर स्थानीय संपरीक्षा संबीक्षा के श्रष्टप्रधोन होगा।
- (у) बोर्ड ऐसे सहायता प्रनुदानों का यथोचित अभिलेख रखेगा जैसी इसे समय-समय पर सरकार द्वारा दी जाती है और ऐसे प्रस्थितेख सरकार के निरीक्षण के लिए उपलब्ध होगा और संपरीक्षा की संबीक्षा के लिए खुला रहेगा।
- (vi) बोर्ड इसे दी गई सहायता अनुदान को केवल उसी प्रयोजन के लिए या प्रयोजनों के लिए उपयोग करेगा जिसके लिए ये दी गई है।
- (vii) बोर्ड सरकार को उस प्रभाव का प्रमाण-पत्न देगा कि इसें संदत्त सहायता अनुदान संदाय की तारीख़ से एक वर्ष की प्रविध के भीतर पूर्णतया उपयोग की जा चुकी है।
- (viii) बोर्ड इसे सहायता अनुदान के रूप में सदल किसी राशि को, जो उस प्रयोजन जिसके लिए यह दी गई थी, अनुपयोजित रही हो, उपयोग अविध के अवसान से तीन मास के भीतर सरकार को प्रतिदाय करेगा।
- (ix) बोर्ड सहायता अनुदान को खादी और ग्रामोछोग और कमशः प्रिवेकको । और निरीक्षण कमचारीवृत्द सहित केन्द्रीय कार्यालयपर 40: 10: 50 के अनुपात में व्यय करेगा।

पी0 के0 मट्टू, सचिव।

श्रम विभाग

ग्रधिसचनाएं

शिमला-1, 8 ग्रऋत्बर, 2001

संख्या 11-1/85 (लैंब०) माई० डा० भाग-BBNTT — मधो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Gain Chand s/o Shri Gauri Nand, Village and P.O. Chakmoh, Tehsil Barsar, Distt. Hamirpur, and Chairman Baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C). Sub-Division Barsar. District Hamirpur (H. P.) के मध्य नीचे दिए गए विषय पर शीयोगिक विवाद है:

और पोडोनिक विवाद अधिनियम, 1947 को धारा 12(4) के अधीन समझोना अधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त अधिनियम को धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीन विचार करने के उपरांत प्रधोहरूनाक्षरी ने निर्णय लिया है कि मामला अम न्यायालय/ सीडोनिक प्रधिकरण को अधिनिर्णय के लिए भेजने योगर है।

्तः हिमाचल प्रदेश सरकार हारा चारी श्रीधसूचना संख्या 19-१/अ9-अम (लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 हारा प्रदर्भ कान्त्रमाँ का प्रयोग करने हुए अधोहस्ताक्षरी, श्रीद्योगिक विवाद अधानप्रमा, 1947 (1947 का 14) भी घारा 10 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एउदहारा इस मामले का उक्त स्विधिनम की घारा 7 के अधीन गरित अम न्यायालय/ धारागित अमिन्याक्षलय/ धारागित अमिन्

"Whether the retrenchment of the Services of worker Shri Gian Chand s/o Sh. Gauri Nand by the Chairman, Baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh. Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub-Divisional Officer (C., Sub-Division Barsar, District Hamirpur (H. P.) w. e. f. 16-12-1998 is legal and justified. If not, what relief of back wages, senior ty, service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to ?".

शिमला-1, 8 ग्रक्त्वर, 2001

मध्या 11-1/85 (लेब०) प्राई० डी० प्राग-BBNTT. प्रधो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Sh. Mohan Singh s/o Sh. Chalu Ram, Village Khajri, P. O. Chuhakoo, Tehsil Padar, Distt. Mandi and the Range Officer (Forest), Joginder Nagar, Distt. Mandi (H. P.) के मध्यनीचे दिये गए विषय पर प्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर श्रीवांगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की द्यारा 12(4) के भ्रधीन समझौता ग्रधिकारी द्वारा प्रदस्त की गई रिपोर्ट पर उक्त भ्रधिनयम की द्यारा 12 की उप-धारा (5) के ग्रधीन विचार करने के उपरान्त ग्रधोहस्ताक्षरी ने निर्णय लिया है कि भामला श्रम न्यायालय/शोद्योगिक ग्रधिकरण को ग्रधिनिर्णय के लिये भेजने यप्य है।

भतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संस्था 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 मितरबर, 1992 द्वारा प्रश्त चिक्तमं का प्रयोग करते हुए प्रधोहरताक्षरी ग्रीचोनिक विवाद ग्राधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-घारः (1) के प्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्धारा इस मामने को उक्त अधिनयम की धारा 7 के ग्राधीन गरित श्रम व्याधानयं भी ग्रीचोगिक प्रधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गए विषय पर ग्रीधिनियं देने के लिए भेजा जाता है:—

"Whether the termination of services of Shri Mohan Singh s/o Shri Ghalu Ram by the Range Officer, Joginder Nagar, w. e. f. 1-10-1991 without complying of section 25F of the Industrial Dispute Act, 1947 is legal or illegal? If illegal, what relief of service benefits, backwages and amount of compensation Sh. Mohan Singh is entitled to?"

शिमला-1, 9 धक्तुबर, 2001

संस्था 11-1/85 (लैंब०) माई० डा०-माग-BBNTT.— सर्था-इस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Banku Ram s/o Shri Shadi Lal, V.P.O. Karer, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H. P.) and the Chairman, baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh, Tehsil Barsar, Distt. Hamirpur H. P. cum-Sub-Divisional Officer (C), Sub-Division Barsar, Distt. Hamirpur (H.P.) के मध्य ाीचे दिए। गए विषय पर शीबोगिक विवाद है;

भीर भोधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 12 (4) के अधीन समझीता अधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीन विचार करते के पण्चान प्रधोहस्ताक्षणी ने निर्णय लिया है कि मामला श्रम न्यायाक्षय/औद्योगिक अधिकरण को अधिनिर्णय के लिए भेजने योग्य है।

म्रतः तिमाचन पर्ययं स्थान हारा जारी म्रिक्स्चना सहया 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 मिनम्बर, 1992 हारा प्रदत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए प्रम्रोतस्ताक्षरी प्रोधोगिक दिवाद अधिन्तिया, 1947 (1947 का 14) की बारा 10 की उप-धारा (1) के म्रिक्स प्रदत्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुए एनदहारा इस मामले को उनत प्रिवियम की धारा 7 के प्रधीन गरित श्रम स्यायालय/श्रीधोगिक मिधिकएंग, हिमाचन प्रदेश को नोचे व्याख्या किए गए दिवय पर म्रिकिएंग, हिमाचन प्रदेश को नोचे व्याख्या किए गए दिवय पर म्रिकिएंग देने के निये भेजा जाता है : —

"Whether the retrenchment of the services of Shri Banku Ram s/o Shri Shadi Lal, Vill. and P. O. Karer. Tehsil Barsar, District Hamirpur, H. P. by the Chairman, Baba Balak Nath Temple Trust, Deot-sidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub-Division Barsar, District Hamirpur, H. P. w.e.f. 16-12-1998 is legal and justified? If not, what relief of backwages, seniority, service benefits and amount of compensation the above workman is entitled' to?"

शिमला-1, 15 ग्रस्तुबर, 2001

सहया 11-1/85. (लेब०) प्राई०डॉ० भाग-BBNTT.—प्रधो हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Rakesh Kumar s/o Shri Karam Chand, Village Tikkar, P.O. Maharala, Tehsil Barsar, District Hamirpur, H. P.-cum-Chairman, Baba Balak Nath Temple Trust, Deot-sidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub-Divisional Officer (C) Sub Division Barsar, District Hamirpur, (H. P) के मध्य नीच दिए गए विषय पर श्रीहोगिक विवाद है;

श्रीर श्रोद्योगिक विवाद श्रिशित्यम, 1947 की श्रारा 1,2(4) के श्रिशीन पमझौता श्रिष्टिकारी क्षारा प्रस्तृत की गई रिपोर्ट पर उसत श्रिष्टित्यम की श्रारा 12 की उप-धारा (5) के श्रिधीन विचार करने के पश्चात् श्रिष्टोहरूतक्षरी ने निर्णय लिया है कि मामला श्रम न्यायालय/श्रीद्योगिक श्रिष्टकरण को ग्रिष्टिनिर्णय के लिए मेजने योग्य है।

ग्रतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी प्रधिसूचनां संख्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 द्वारा प्रदरत शिननयों का प्रयोग करते हुए ग्रधोहस्ताशरी, श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के ग्रधीन प्रदरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इस मामले को उक्त ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रश्नीन गटित श्रम-न्यायालय/शोद्योगिक ग्रधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये औं गए विदय पर ग्राधिनियं देने के लिए भेजा जाता है:—

"Whether the retrenchment of the services of Shri Rakesh Kumars/o Shri Karam Chand by the Chairman-Baba Balak Nath Temple Trust, Deot sidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur, H. P.-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub-Division Barsar, District Hamirpur, H. P. w.e. f. 16-12-1998 is legal and justified. If not, what relief of back wages, seniority and amount of compensation the above workman is entitled to?".

शिमला-1, 15 अन्तूबर, 2001

शिमला-1, 15 ग्रक्तूबर, 2001

संस्था 11-23/83 (लैब०) प्राइं० शंध-माग-॥ (Una).— प्रश्नोहस्ताकरी को यह प्रनीत होता है कि Shri Naresh Rana, s/o Shri Joginder Singh, Sharma Niwas, Pari-Mahal, Kasumpti, Shimla-9 and Secretary, M/s Shivalik Khadi Ashram, Una, H. P. के मध्य नीचे दिए गए विषय पर शीदाणिक विवाद है;

भीर भीषोगिक विवाद प्राधिनयम, 1947 की धान 12 (4) के प्रधीन ममझौता प्रधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त प्रधितियम की धान 12 की उप-धान (5) के ग्रधीन विचार करते के उपरान्त प्रधीडम्ताझरी ने निर्णय निया है कि मामला थम न्यायालय/भौद्योगिक ग्रधिकरण को प्रधितिणंत के लिए में जने योग्य है।

ग्रत: द्विमाचल प्रदेश मरकार द्वारा जासे यश्चिम् तना सरवा 19-8/89-श्रम (लूज). दिनाक 7 जिनम्बर, 19-92 ारा प्रदन्त प्रक्रियों का पर्याग करते हुए अधोहस्ताक्षरी, योगीमिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-द्वारा (1) के प्रधीन प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए जुनद्वारा इस मामले को उनन प्रधिनियम की घारा 7 के प्रधीन भटित थम त्यायालय/श्रीद्योगिक स्विकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गये विवय पर अधिनर्णय देने के लिए भेजा जाता है:—

"Whether the termination of the services of Shri Naresh Rana w. e. f. 25-2-1993, by the Management of M/s Shivalik Khadi Ashram, Santosh-Garh, Distt. Una, H. P. is legal and justified? If not, what compensation and continuity of service the above workman is entitled to?"

शिमला-1, 15 अन्त्बर, 2001

संख्या 11-1/85 (लंब0) घाई0 डी0 भाग-BBNTT.—
प्रधाहस्ताक्षरी को यह प्रतीत हाता है कि Sh. Jagan Nath
s/o Shri Sunder Ram Village Ser, P.O. Tiper,
Tehsil Barsar, District Hamirpur and Chairman, Baba Balk Nath Temple Trust Deotsidh,
Barsar, Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C)
Sub Division Barsar, District Hamirpur (H. P.)
के मध्य नीचे दिये गए विषय पर श्राद्यागिक विशाद है:

श्रीर श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 12(4) के अधीन समझीना श्रधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर उक्त श्रधिनियम की धारा 12 को उप-धारा (5) के अश्रीन विचार करने के उपरान्त श्रधीतम्बार ने निर्णय निया है कि मामला श्रम न्यायालय/श्रीद्योगिक श्रधिकरण को धार्षिनिर्णय के लिए भेजने योग्य है।

ग्रतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी प्रधिसूचना संख्या
19-8/89-श्रम(लूज), दिनांक 7 सितम्बर,1992 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए प्रघोहस्ताक्षरी ग्रौडोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के श्रधीन प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा इस मामले को उक्त
श्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय/ग्रौडोगिक
ग्रधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गये विषय पर
ग्रुधिनिर्णय देने के लिए मेजा जाता है :──

"Whether the retrenchment of services of worker Jagan Nath s/o Shri Sunder Ram by the Chairman, Baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh, Tehsil Barsar, Distt. Hamirpur-cum-Sub-Divisional Officer (Civil). Sub-Division Barsar, District Hamirpur, Himachal Pradesh w. e. f. 16-12-1998 is legal and justified? If not, what relief of back wages, seniority, service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to ?".

मंद्र्या 11-1/85 (लेब०) प्राई० डी०-ध्राग-BBNTT.—प्रधो-हस्ताक्षरो को यह प्रतीन होता है कि Shri Garib Dass, s/o Shri Dhani Ram, Village Kharma P.O. Balia- Tehsil Barsar, District Hamirpur and Chairman Baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh, Barsar Hamirpur-cum-Sub-Divisional Officer (C) Sub-Division Barsar, District Hamirpur (H. P.) के मध्य नीचे वियं गए विषय पर धोशीयक विवाद है;

श्रीर श्रीकोगिक विवाद श्रीविष्यम, 1947 की धारा 12(4) के प्रधीन समझीता अधिकारी द्वारा श्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त प्रधितियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के प्रधीत विचार करने क उपरान्त प्रधीहर राक्षरी ने निर्णय लिया है कि मानला धम न्यायालय/प्रीक्योगिक प्रधिकरण की धीधनिर्णय क लिये धेजने योग्य है।

स्रत: हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी स्रिध्मिवना सख्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सितस्थर, 1992 द्वारा प्रदेल शक्तियों का प्रयोग करते हुए अश्रोहस्ताक्षरी श्रौद्योगिक विधाद श्रीवित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के श्रधीन प्रदेल शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदद्वारा इस मामल को उक्त स्रिधिनयम की धारा 7 के स्रधीन गठित अस न्यायालय/श्रौद्योगिक स्रिध्करण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्यास्था किए गए विषय पर स्रिधिनणय देन के लिए भंगा जाता है:—

"Whether the retrenchment of the service of worker Shri Garib Dass s o Shri Dhani Ram by the Chairman, Baba Balk Nath Temple Trust. Deotsidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub Division Barsar, District Hamirpur H. P. w.e. f. 16-12-98 is legal and justified? If not, what relief of back wages, seniority, service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to?"

शिमला-171001, 15 ग्रक्तूबर, 2001

सख्या 11-1/85 (लैंब०) आई० डो० भाग-BBNTT.— अधो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Banku Ram s/o Shri Roshan Lal, Village Suglani, P.O. Dhagota, Tehsil Barsar, District Hamirpur, H. P. and Chairman, Baba Balak Nath Temple Trust, Deotsidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub Division Barsar, District Hamirpur (H. P.) के मध्य नीचे दिए गए विषय पर ग्रीवोगिक विवाद है;

श्रीर श्रीशोगिक विवाद श्रिष्ठित्यम, 1947 की धारा 12(4) के श्रमीन समझौता श्रीष्ठकारी द्वारा प्रश्न की गई रिपोर्ट पर जक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 12 की उप-धारा (5) के श्रभान विचार करने के उपरान्त अधीहस्ताक्षरी ने निणेय निया है कि मामला श्रम स्वायालय/श्रीशोगिक श्रीधकरण को श्रीप्रितिणय के निये भेजने योग्य है।

मत: हिमाचन प्रदेश सरकार द्वारा जारी ग्रिधमूनना संक्यो 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रधोहस्ताक्षरी श्रीद्योगिक विवाद ग्राध-निम्म, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की ज्य-धारा (1) के ग्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा इस मामले को जक्त ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय/ श्रीद्योगिक ग्रधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गर्थ विषय पर ग्रधिकरण, दिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गर्थ विषय पर ग्रधिकरण, दिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गर्थ

"whether the retrenchment of the services of Shri Banku Ram s/o Shri Roshan Lal by the Chairman, Baba Balk Nath Temple Trust, Deotsidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub-Division Barsar, District Hamirpur H. P. w.e. f. 16-12-1998 is legal and justified, if not, what relief of back wages, seniority service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to?

निमला-1, 15 अक्तूबर, 2001

मह्या 11-1/85-(लेब०) के के कि गा BBNTT. अधो-हरकारों को व्यवित तेता है जि Shri Mohinder Singh s/o Shri Krishan Dayal, V.P.O. Dhgota. Tehsil Barsar, District Hamirpur, Himachal Pradesh and Chairman, Baba Balak Nath Tomple Trust. Deotsidh, Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sub Division Barsar, District 'Aamirpur, (H P) के मध्य तीचे दिये गए विषय पुर प्राचीतिक दिस्त है है

भीर द्रोबोणिक िताद प्रांतिस्थम, 1947 की धारा 12 (4) के खोन समनीना सिकारी तारा प्रदान की गई रिपोर्ट पर उनन भिवित्यत में बारा 12 की स्थ-श्रारा (5) के अधीन विचार करने के उरसान प्रवीहरून(उसे ने निगंद ीया है कि सामना श्रम स्थापान्य/श्रीबालिक प्रतिकरण को प्रिवित्योग के निग् भेजने सीस्य 21

श्रतः । इताचन प्रदेश मरकार द्वारा जारो श्रिण प्रता मध्या । १- ८/८ १४ (तृत्र) दिताक 7 सिनम्बर, १९०२ द्वारा परत जांक्या का प्रयोग करते हुए प्रदोडम्बालयो योगोलाः विवार प्रश्चितियम, १९४७ (१) को श्रीत प्रदा जांक्यों का प्रयोग करते हुए एत्रद्वारा इस मामते को उनत श्रीवियम की धारा 7 के श्रीत प्रति श्रम न्यायालय/श्रीयोगिक श्रीवियम की धारा 7 के श्रीत गठित श्रम न्यायालय/श्रीयोगिक श्रीविकरण, हिमाचन प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गये विषय पर प्रधितिण्य देने के लिए भेजा जाता है : —

"Whether the termination of the services of Shri Mohinder Singh s/e Shri Krishan Dayal by the Chairman, Baba Balk Nath Temple Trust, Deotsidh. Tehsil Barsar, District Hamirpur-cum-Sub Divisional Officer (C) Sab Division Barsar, District Hamirpur, H. P. w. e. f. 16-12-1998 is legal and justified if not, what relief of back-wages, seniority, service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to?

शिम रा-1, 27 ग्रन्त्वर, 2001

महारा 11-1/85 (नेव0) बाई० हो०-माग-V-Kangra— महोहस्ताक्षरों को यह प्रतीत होता है कि Shri Manohar Lal s/o Shri Roshan Lal, V.P.O. Sathana, Tehsil Patehpur, District Kangra H. P. and M/s Himachal Carbon Pvt. Ltd. Industrial Area, Sansarpur Terrace. District Kangra (H. P.) के महब नीचे विये गण वस्त्र पर की धारिक विवाद ए ;

भीर पीवांगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 12 (4) के भर्मान ममझौता भिम्नकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त भिम्नियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के प्रधीन विवार करने के उपरास्त प्रधादस्ताकरी ने निर्णय लिया है कि मामला प्रमान्यायालय/प्रोद्योगिक प्रधिकरण की प्रधिनिर्णय के लिए मेजने योग्य है।

पतः हिमाचन पद्म मरकार दारा जारो प्रधिमूचना मंद्रया 19-8/89-थम (त्त्र), दिनांक 7 मिनस्वर, 19-32 रारा प्रदन्त विकास प्रमाण करत हुए प्रजाहस्ताक्षरी प्रीधोनिक विवास प्रधिनित्रम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10की उप-धारा (1) के प्रधीन प्रदत्त शक्तिओं का प्रयोग करते हुए एत्द्रदारा इन मामले की उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गाँउत श्रम स्माण नियोगीं कि प्रधिकरण, दिभावल प्रदेश की तीचे श्राक्ष्य किएमें गए दिस्स प्रधीन गाँउत श्रम स्माण प्रधीन प्रकास प्रधीन गाँउत श्रम स्माण प्रधीन प्रकास प्रधीन गाँउत स्माण प्रधीन प्रदेश की लिए भ्रम स्माण है:

"Whether the termination of the services of Shri Manohar Lals/o Shri Roshan Lalw. e. f. 6-5-2003 by the Management of M/s Himachal Carbon Pvt. L'd., Plot No.-59 to 62, Industrial Area,

Sansarpur Terrace, District Kangra (H. P.) without complying the section 25F of the Industrial Dispute Act 1947 is Legal and justified, If not, what relief of service benefits and amount of compensation the above workmen is entitled to?"

शिमला-1, 27 अक्तूबर, 2001

संहता 11-1/93 (लैंग०) प्राई० बी०-भाग-Baddi.—प्रयो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीन होता है कि Shri Gurmel Singh s/o Shri Ram Kishan c/o Shri Vilyati Ram, House No. 235, Vitna Colony, Pinjore, Punchkulla, Haryana and M/s Raja Forging and Gears Ltd, Gear Division, Sai Road Baddi. District Solan, (HP.) हे मध्य नांचे दिए गर् विपर पर ग्रीशोगिक विवाद है;

और भौधोगिक विवाद प्रधितियत. 1947 को बारा 12 (4) के प्रधीत ममजीता अधिकारी हारा प्रदत्त को गर्व रिवोर्ट पर उक्क अधितियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीत विचार करने के उपरास्त प्रधीहस्ताक्षरी ने निर्मय लिया है कि मामला श्रम न्यायालय/ श्रीधोगिक अधिकरण को अधितिर्णय के लिए नेवते प्रोप्य है।

मतः हिमाचन प्रदेश सरकार द्वारा जारी प्रधिमुचना सन्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सिनम्बर, 1992 द्वारा प्रदरत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए ब्रघोहस्नासरी श्रौद्योगिक विवाद श्रीविन्यम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-धारा (1) के श्रद्धान प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा इस मामले की उक्त श्रिवित्यम की धारा 7 के प्रदीन गठित श्रम न्यायालय/श्रौद्योगिक प्रधिकरण, हिमाचन प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गये विषय पर प्रवित्रिणय देने के लिए मेजा जाना है:—-

"Whether the domestic Enquiry conducted by M/s Raja Forging and Gears Ltd; Baddi against Shri Gurmel Singhc/o Shri Valyati Ram, House No. 235, Vitna Coloney Pinjore (Punchkulla) Haryana and termination thereafter w.e.f. 9-5-2000 is proper and justified? if not, what relief of service benefits and amount of compensation the aggrieved workman is entitled to?"

शिमला-1, 27 श्रह्त्वर, 2001

नेष्या 11-23/84/2001 (लैब0) पाई0 डी०-माग-Mandi— मधो हताझरी हो यह प्रतीत होता है कि Shri Leela Dass s/o Shri Mansa Ram, Vill. Baag Shalana, P.O. Karsog, District Mandi, H.P. and Divisional Forest Officer, Karsog Forest Division, District Mandi, (H.P.) के मध्य नीचे दिए गए विषय पर प्रौद्योगिक विवाद है;

भीर श्रीर्शिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की छारा 12(4) के प्रधीन ममझौता ग्रिधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर उक्त प्रधिनियम की छारा 12 की उप-घारा(5) के ग्रिधीन विचार करने के उपगन्त ग्रिधीहस्ताक्षरों ने निर्णय लिया है कि यह मामला श्रम-न्यायालय/भौगोगिक ग्रिधिकरण को ग्रिधिनिर्णय के लिए मैजने योग्य है।

यतः हिमानल प्रदेश परकार द्वारा जारी श्रीधमुनना सक्ष्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिर्गाफ 7 मितस्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त प्रवित्तयों का प्रयोग करने हुए प्रयोहस्ताक्षरी श्रीधोमिक विश्वाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 10 की एउ-धारा (1) के अधीन प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए एनद्द्वारा इस मामल को उन्दर्भ प्रशित्यम की धारा 7 के प्रयोग गाउन श्रम न्यापान्य/कोद्यालक प्रशिक्यण, दिमाजन प्रदेश का नीच व्यक्षा किए गए दिश्व पर प्रयोगिक देने के निए बना जान है :---

"Whether the termination of the services of Shri Leela Dass s/o Shri Mansa Ram w. e. f. 4-1-1997 as alleged by workmen, after completing 10 years of services and without complying the provisions of the industrial Dispute A.t. 1947 by the Divisional Forest Officer, Forest Division Karsog, Distt. Mandi H.P. is justified an proper? If not

what relief of back wages, continuity of service, seniority and amount of compensation the above workman is entitled to?"

शिमला-1, 27 अन्तूबर, 2001

संक्ष्मा 11-1/93-(नैव) न्नाई०डी०माग-Solan. — प्रयोहस्ता-"सरं को यह प्रतीत होना है कि Sh. Deva Nand c/o Shri Mukesh Kumar, H. No. 832/13, Ward No. 15 Ahata Chattersain, Kalka, District Punchkula, Haryana and M/s Hitkari Industries Ltd. Plot No. 18, Sector-I, Parwanoo. District Solon, (H. P) के मध्य नीचे दिये गयं विषय पर प्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रोर श्रीटांगिक विवाद प्रधिनिथम, 1947 की घारा 12 (4) के प्रधीन मनजीता अधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त प्रधिनियम की घारा 12 की उप-धारा (5) के ग्रधीन विचार करने के पश्चात् प्रधीहरनाक्षरी ने निगंग निया है कि यह मामला श्रम नायान्य/प्रौद्योगिक प्रधिकरण को यिपिनिगंग के लिए भेजने योग्य े।

प्रतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी प्रधिमूचना संख्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 मिनम्बर, 1992 क्षारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरों श्रीद्योगिक निवाद अधिनियन, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उन-धारा (1) के प्रधीन प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा दत्त मामले को उक्त प्रधिनियम को आरा 7 के प्रधीन गठित श्रम-न्यारालय/पौद्योगिक प्रधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किये गये विदय पर प्रधिनिकंग देने के लिए भेजा जाता है:—

"Whether Shri Deva Nand Mishra has abondend the Employment of M's Hitkari Industries Ltd. Plot NJ.-18, Sector-1, Parwanoo, District Solan H.P. at his own by remaining absent from job without any information w.e.f. 27-11-1999 as alleged by the Management, is justified and proper? If not, to what relief including compensation, backwages and continuity of service the above workman is entitled to?"

शिमला-1, 27 अक्तूबर, 2001

संख्या 11-1/93 (लेब 0) बाई 0 डी 0-भाग-Nalaggarh.—
प्रधोहस्तास्त्री को यह प्रतीत होता है कि Shri Amar Chand s/o Shri Babu Ram C/o Shri Bal Krishan Sharma Excise and Taxation Officer, Nalagarh, District Solan (H. P.) and M/s Sidhartha Spinning Mills Ltd Nihal Kheda, Nalagarh, Distt. Solan, H. P. के मध्य नीचे दिए गए विषय पर ग्रीडोणिक विवाद है;

षौर प्रौद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 को धारा 12 (4) के प्रधीन समझौता प्रधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रियोर्ट पर उक्त प्रिथितियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के प्रधीन विचार करने के पश्चात प्रधोहस्ताक्षरी ने निर्णय लिया है कि यह सामला श्रम न्यायालय/प्रीक्षोगिक प्रधिकरण को प्रधिनिर्णय के लिए केलने योग्य है।

पतः दिमाचल प्रदेण सरकार द्वारा जारी अधिस्वता सत्या । १०-८/४९-थम (ल्ल), दिनांक 7 वितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त । १०-८/४९-थम (ल्ल), दिनांक 7 वितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त । । । । । । । । । । । विवास प्रधिन्तियम, 1947 (1947 का 14) की जारा 10 की उप-धारा (1) के प्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदहारा इस मामले की उक्त अधिनियम को धारा 7 के प्रधान गठित अन न्यायान्य/प्रौधोंगिक प्रधिकरण हिंभाचल प्रदेश को तीचे व्याख्या किये गये विषय पर प्रधिनिर्णय देने के तिए भेजा जाता है:—

"Whether the termination of the services of Shri Amar Chands/o Shri Babu Ram w. e. f. 7-2-2000 by the management of M/s Sidhartha Super Spining Mills Ltd. Nihal-Kheda, Nilagarh is legal and

justified. If not, what relief of service benefits and amount of compensation the above workman is entitled to ?".

शिमला-1, 27 ग्रक्त्वर, 2001

मंड्या 11-1/86 (जैव) याई 0 डी 0-माग-1-Nahan. — प्रभो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Jogi Ram s/o Shri Mohi Ram, Vill. Shirgoan. P.O Shilla, Sub-Tehsil Kamrao, Distt. Sirmaur and the Divisional Forest Officer, Renukaji, Distt. Sirmaur, H. P. के मध्य नीचे दिए गए विषय पर श्रीशोशिक विवाद है;

श्रीर सौधोगिक विवाद प्रधितिष्य, 1947 को बारा 12(4) के अधीत नमझौता अधिकारी हारा प्रदत्त को गई रिपोर्ट पर उक्त को उन-धारा (5) के अधीत विचार करने के पण्चात् अधीहहताज्ञों ने निर्णय विचार करने के पण्चात् अधीहहताज्ञों ने निर्णय विचा है कि मामला अम न्यायालय/श्रीधार्गिक अधिकरण को अधितिर्णय के लिए भेजने योग्य है।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा नागी यिस्मुबना संख्या 19-8/89-श्रम (सूज), दिनांक 7 मिनम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए अधोह-ताक्षरी श्रीद्योगिक विवाद प्रधितिशम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-गरा (1) के अपीन प्रदत्त शिक्त में का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा एन मानने को उक्त शिक्त प्रिमिन करिया कि प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा एन मानने को उक्त शिक्त शिक्त कि घारा 7 के अधीन गठित श्रम स्थायालय/श्रीद्योगिक अधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किए गए विषय पर अधिनिर्णय देने के लिए भेजा जाता है:---

"Whether the termination of services of Shri Jogi Ram s/o Shri Mohi Ram by the Divisional Forest Officer, Renukaji Forest Division, Renukaji, Distt. Sirmaur, H.P.w. e.f. August, 1999 without by notice chargesheet, enquiry and without complying the provisions of Industrial Dispute Act, 1947 is legal and justified? If not, what relief of service benefits, backwages, seniority, and amount of compensation the above workman is entitled to?"

हस्ताक्षरित/-श्रमायुक्त ।

समाज एवं महिला कल्याण विभाग

ग्रधिस् नना

शिमला-171002, 20 जूलाई, 2001

संख्या कल्याण-ए(3)-3/88.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के प्रनुच्छट 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामशं से इस विभाग की अधिसूचना संख्या कल्याण-ए(3)-3/88, तारीख 8-4-1997 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश, समाज एवं महिला कल्याण विभाग में अधीक्षक, ग्रेड-I (वर्ग-II, राजपवित) पद के भनी और प्रोन्तित नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रयात्:—

- संशिष्त ताम चौर प्रारम्म.—(i) इन नियमों का संशिष्त ताम हिमाचल प्रदेश समाज एवं महिला कल्याण विभाग, ग्रधीक्षक ग्रेड-। (वर्ग-II राजपत्रित) भर्ती ग्रौर प्रोन्नित नियम (प्रथम संगोधन) नियम, 2001 है।
- (ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल ग्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारोख से प्रवृत होंगे।
- उपावन्ध "म्न" का संगोधन.—-हिनाचल प्रदेश समन्त्र एवं महिला कत्याण विभाग ग्रंधीक्षक ग्रेड-। (वर्ग-II, राजनित्रन) भर्नी एवं प्रोन्नित नियम, 1997 के उपावन्ध-"म्न" में :—
 - (क) स्तम्भ संख्या ४ क सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतित्थापित किए जायेंगे, ग्रर्थात :—

"TO 7230-220-8100-275-10300-349-11660"

(ख) स्तम्ब संख्या-ii के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थात पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये त्रायेंगे, ग्रयति:— प्रशिक्षक ग्रेड-II/निजी सहायकों में में, जिनका भ्रपने-प्रपने येड में तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल 31-3-98 तक की गई तद्य सेवा यदि कोई हो, को शामिल करके संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्निति द्वारा, ऐसा न होने पर प्रशिक्षक ग्रेड-II/निजी सहायकों में से जिनका प्रशिक्षक ग्रेड-II ग्रीत विष्ट महायक ग्रेड निजी सहायकों में ते जिनका प्रशिक्षक ग्रेड-II ग्रीत विष्ट महायक ग्रीर निजी सहायक ग्रीत विष्ट वेतनमान प्राण्नितिषक के रूप में संयुक्त रूप में 9 वर्ष का नियमित सेवाकाल या (31-3-1998) तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, महित संयुक्त नियमित सेवाकाल, प्रोन्निति द्वारा।

(1) प्रोन्नित के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व मम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदयें सवा, यदि कोई हो, प्रोन्नित के लिए इन नियमों में यथा बिहित सेवाकास के लिए, इस सर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली बाएगी, कि मम्मरण प्रवर्ग में तदये नियुक्ति/प्रोन्नित भर्ती एवं प्रोन्नित नियमों के उपवन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कानिस्ट व्यक्ति सम्भरण यद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक नदयं आधार पर की गई तदयं सेवा सहित जो नियमित सेवा/निय्यक्ति के अनुभरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निद्धित्र उपवन्धों के वारण विचार किए जाने का पात हो जाता है, वहां अपने न्यपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे विरुद्ध सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात समझे अयेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति में उपर रखे जायेंगे:

पत्रन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्ति के लिये विचार किया जान! है, की कम में कम तीन वर्ष की स्थूननम् ग्रहेंना सेवा या बद के भर्ती एवं प्रोन्तित तियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह प्रौर भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की प्रपक्ताओं के कारण प्रोन्निति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपाल हो बाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नित के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा

स्वर्ष्टीकरण.— प्रनितम परन्तुक कं प्रन्तगंत किनष्ठ पदधारी प्रोन्सित कं लिये प्रपात नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ प्रपात व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईजड धार्मेड कांसिम परसोतल (रिजर्वेशन ग्राफ वेकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के ग्रन्तगंत भर्ती किया गया हो तथा इनके ग्रन्तगंत वरीयता लाभ दिए गए हों या बिस एकम सर्विसमैन (रिजर्वेशन ग्राफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विमिज) रूल्ज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के ग्रन्तगंत भर्ती किया गया हो तथा इसके भ्रन्तगंत वरीयना लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के मधी मामलों में ऐसे पद पर तियुक्ति/ प्रोम्मिति में पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्य भेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में भी आयेगी, यदि तदर्य नियुक्ति/प्रोम्मित उचित चयन के पण्चात् ग्रीप भर्ती एवं प्रोन्मित नियमों के उपबन्धों के ग्रमुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपयुक्ति निर्दिष्ट तदर्श सेवा को गणना में लेने के पश्चात जा स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परितः वरीयना ध्रपत्वितित रहेगा ।

> श्रादेश द्वारा, हस्ताक्षरित/-धायुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. WLF-A (3)-3/88, dated 20-7-2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

SOCIAL AND WOMEN'S WELFARE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimia-2, the 20th July, 2001

No. WLF-A(3)-3/88.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of

India, the Governor of Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Social and Women's Welfare Department, Superintendent Grade-1 (Class-II Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified vide this department notification No. WLF-A(3)-3/88, dated 8-4-1997, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Social and Women's Welfare Department, Superintendent Grade-I (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2001.
- (ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.
- 2. Amendment of Annexure "A".—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh, Social and Women's Welfare Department, Superintendent Grade-I (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—
 - (a) For the existing provision against Col No. 4, the following shall be substituted, namely:—
 - "Rs. 7220-220-8100-275--10300-340-11660."
 - (b) For the existing provision against Col. No. 11, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Superintendent Grade-II and Personal Assistants who possess 3 years regular service or regular combined with continuous ad hoc (rendered upto 31-3-1998) service, if any in their respective grades failing which by promotion from amongst the Superintendents Grade-II and Personal Assistants who possess nine years regular service or regular combined with continuous ad hoc (rendered upto 31-3-1998) service, if any as Superintendents Grade-II and Senior Assistants and as Personal Assistants and Senior Scale Stenographer combined.

For the purpose of promotion a combined seniority list of eligible officials of the posts of Superintendent Grad-II and personal Assistent on the basis of lenth of service without disturbing their inter-se-seniority, shall be prescribed.

(1) In all cases of promotion, the continuous ad hoc service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the ad hoc appointment, promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that:—

that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on ad hoc basis upto 31-3-1998) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) juntor to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be

ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces. Personner (Reservation of Vacancies in Himschal State Non-Technical Services) Rules, 1972. and having been given the henefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-processon thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation, ad hoc service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the ad hoc appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment and Promotion Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, at hoc service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/-Commissioner-cum-Secretary.

यवा सेवाएं एवं खेल विभाग

प्रधिसूचना

शिमला-171 002, 10 भन्तुवर, 2001

सुक्यः वाई० एस० एस०-बी०(4)-3/2001.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के मनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा भागोग के अपन्यामण से अधिसूचना संख्या वाई० एस० एस० बी० (2) 10/84, तारीख 15-6-85 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश माउ नटेनरिंग एष्ड एजाईड स्पोर्टस मनाली बोटमैन क्लास-॥ (नान-गजेरिड) रैकस्टमैंट एष्ड प्रमोशन स्ल्ल, 1985 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रयात :—

- संक्षिप्त नाम भीर प्रारम्भः— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम द्विमाचल प्रदेश पर्वतारोहण एवं सहबद्ध खेल, मनाली वर्ग-III, इराजपत्रित (बोटमैन) भर्ती एवं प्रोन्नित (प्रथम संशोधन) नियम, 2001 है।
 - (2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
 - ग्रनैक्सचर "ए" का संशोधन हिमाचल प्रदेश माउ नटेर्नारंग एड एलाईड स्पोर्टम मनाली क्लास-III, नान-गजेटिड (बोटमैन) रैक्स्टमेंट एड प्रमोशन स्ट्ज, 1985 के ग्रनैक्सचर "ए" में:—
 - (क) स्तम्भ संख्या 5 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, श्रर्थात्:—

"3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-500 0-160-5160 अपरे"। (ख) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर ग्रंकों भीर शब्दों "18 से 32 वर्ष" के स्थान पर ग्रंक भीर शब्द" 18 से 45" वर्ष प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

स्रादेश द्वारा,

हस्ताक्षरित्/-ग्रायुक्त एवं सक्तिव ।

[Authoritative English text of this department Notification No., YSS-B, 4)-3/2001 dated 10th October, 2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India).

YOUTH SERVICES AND SPORTS DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 10th October, 2001

No. YSS-B(4)-3/2001.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Mountaineering and Allied Sports, Manali, Boatman, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1985 notified vide this department notification No. YSS-B 2 10/84, dated 15-6-1985, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Mountaineering and Allied Sports, Manali, (Class-III, Non-Gazetted) (Boatman) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2001.
- (2) These rules shall come into force from the date of its publication in the Rajpatra, Himachal Fradesh.
- 2. Amendment in Annexure "A".—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh Mountaineering and Allied Sports Manali (Class-III, Non-Gazetted) (Boatman) Recruitment and Promotion Rules, 1985:—
 - (a) For the existing provisions against Col. No. 5, the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160."

(b For the existing provisions against Column No. 6 for the words and figures "between 18 and 32 years" the words and figures "between 18 and 45 years' shall be substituted.

By order,

Sd:-Commr.-cum-Secretary.

भाग-4---स्थानीय स्वायत शासन, म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाऊन एरिया तथा पंचायती राज विभाग -गन्य-

भाग-5-वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञादन

ब श्रदालत श्री डी 0 के 0 रत्न (हि 0 प्र0 से 0) उप-मण्डल दण्डाधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा (हि 0 प्र0)

श्री ग्रनिल भस्ला पुल धर्मवीर भस्ला, निवासी लाहरी, परमना साच, तहसील व जिला चस्वा ..प्राथी।

बनाम

श्राम जनता

प्रार्चना-पत्न बाबत इन्द्राज परिवार ग्राम पंचायत खिज्यार।

श्री श्रनिल भल्ला ने इस श्रदालत में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके व उसके परिवार का इन्द्राज ग्राम पंचायत खजियार के रिकार्ड में इन्द्राज दर्ज नहीं है जिसके इन्द्राज हेतु प्रार्थना की है जैसा की हाशिये में श्रंकित है।

मतः सर्वसाधारण जनता को इस इक्तहार के सार्फत सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह विनांक 15-11-2001 को प्रात: 10.00 बजे वकालतन हाजिर आकर दर्ज करा सकता है। निर्धारित अविध के पश्चात कोई भ्रापत्ति प्राप्त न होने की सुरत में प्रार्थनायत्र श्री ग्रानित मल्ला पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

क्रम संस्था

- ग्रनिय भल्या मप्त्र धनैतीर भल्या। 1.
- तीरू भल्ला पत्नी अनिल भल्ला। 2 ग्रमन भल्ला सुपुत्र ग्रनिल भल्ला ।
- 3 रोजनी भन्ता एवं ग्रनिल भल्ला ।

ग्राज दिनाक 17-10-2001 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित धदालत से जारी किया गया है।

मोहर।

ही 0 के रत्न, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा (हि0 प्र0)।

ब श्रदालत जनाब सोता राम गर्मा, तहसीलदार बड़ोह, जिला कांगड़ा हिमाचन प्रदेश

हरी राम पुत्र निस्क राम, निवासी महाल मोरठ, मौजा जसाई, तहसील बढ़ोह, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

विषयः --दरम्बास्त जेर धारा 13 (3) जन्मव मृत्यु पंजीकरण ग्रिजिन्म, 1909.

श्री हरी मिह पुत्र निक्कु राम, निवामी महाल मोरठ, मीजा जसाई, तहसील बड़ोह, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में आवेदन किया है कि उसकी पूत्री सोनी का जन्म दिनांक 12-2-1996 को पंचायत मोरठ (त्रसादी) तहसील बड़ोह, जिला कागड़ा में हुआ है, लेकिन उसकी जन्म तिथियं बायत मोरठ (जसाई) तहसील बड़ोह के रिकार्ड में पंजीकृत नहीं हुई है।

चनः ग्राम जनना को वजरिया इंग्तहार राजस्त्र हिमाचल प्रदेश सुचित िया जाता है कि उपरोक्त पंजीकरण बारा किसी का कोई एतराज व उत्रर हो ता वह दिनांक 21-11-2001 को ग्रसालतन व वकालतन इम बदालत/कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे हाजिर ग्रावे तथा भपने उत्रर व एतराज पेश करें धन्यथा यह समझा जावेगा कि किसी को इस पंजीकरण बारे कोई श्रापनि न है तथा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

ग्राम दिनांक 2-10-2001 को मेरे हरूशझर व मोहर ग्रदालत मे जारी किया गया।

मोहर ।

मौता राम शर्मा, तहसीनदार बड़ोह, जिला कांगडा (हि0 प्र0)।

व घदानन जनाव मीता राम जर्मा, तहसीलदार वहोह, जिला कांगहा हिमाचल प्रदेश

हरी राम पुत्र निक्कू राम, निकासी महाल मोरठ, मोत्रा जसाई, तहसील बडोड, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

वनाम

प्राम जनना

विषयः - प्रार्थना सत्र जेर घारा 13 (3) जनम एवं मृत्यु पंजीकरण चिवित्यम, 1969.

भो हरी राम पुत्र तिबकू राम, निवासी महाल मोरठ, मौजा जसाई, तहसील बड़ोह, जिना कागड़ा (हि0 20) ने इस कार्यालय में धावेदन किया है कि उसकी पुत्री सपना का जन्म दिनांक 12-1-1998 को रंचायत (मोरठ) जमाई तहसील बढ़ांह में हुमा है लेकिन उसकी जन्म तिथि पंचायन मोरठ (बसार्ट) के रिकार्ड में पंजीहन नहीं हुई है।

ग्रतः ग्राम जनता को वजरिया इस्तहार राजपत्र हि0 प्र0 सचित किया जाता है कि उपरोक्त पंजीकरण बारा किसी को कोई एतराज व उजर हो तो वह दिनांक 21-11-2001 को ग्रमालतन या वकालतून इस कार्यालय में प्रात: 10.00 बजे हाजर प्रावें तथा भपने उजर व एत्राज पेश करें मन्यथा यह समझा जाएगा कि किसी को इस पंजीकरण बारे कोई ग्रापत्ति नहीं है तथा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

बाज दिनांक 2-10-2001 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर कार्यालय से जारी हुद्या ।

मोहर।

सीता राम शर्मा. तहसीलदार बडोह." 🕆 जिलाकांगड़ा (हि०प्र०)।

व प्रदालत सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, वैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं 0 66/2000/तह 0

उनवान तकसीम भूमि ।

1. श्रीचन्द, 2. वत राज पुत्रान प्रवीण, वासी भुलाणा, तहसील बैजनाय, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

 रत्न चन्द पुत्र विचत्र सिंह, 2. सुरजीत चन्द, 3. रणजीत सिंह पुतान, 4 रमेश कुमारी, 5. कमलेश कुमारी, 6. विजय कुमारी, 7. ग्रनीता कुमारी पुत्रियां, 8: कौशल्या देवी विधवा ठाकुर चन्द, · प्रत्**यायी ।** वासी भुलाणा, तहसील वजनाय

तकसीम भूमि खातानं 0 67, खतौनी नं 0 114, खसरा किता 2, रकवा तादादी 0-13-53 हैक्टेयर, महाल चकोल, तहसील वैजनाथ, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

प्रार्थी श्री चन्द व व्रत राज पुत्रान प्रवीण चन्द, वासी भुलाणा, तहसील वैजनाथ ने एक प्रार्थना-पन्न वाबत तकसीम उपरोक्त भूमि इसा न्यायालय में दायर किया है कि प्रवना खाता ग्रलग करवाना चाहता। है। प्रतिवादी को बार-बार समन जारी किए गये परन्तु तामीलः म्रासान इंग से नहीं हो पा रही है।

म्रतः उक्त प्रतिवादीगण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया, जाता है कि वह दिनांक 20-11-2001 को इस न्थायालय में प्रात: 10.00 वर्जे ग्रमालनन या वकालतन हाजिर ग्राकर पैरवी मुकददमा करें अन्यया उनकें खिलाफ एक तरफा कार्यवाही श्रमल में लाई जावेगी।

म्राज दिनांक 22-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भ्रदालत द्वारा जारी हुग्रा ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/- ं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, वैजनाय, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

व भदालत श्री जगदीश राम, तहसीलदार/सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी खुंड़ियां, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

उनवान मुकहमा दहस्ती नाम ।

श्रीमर्ता माया देवी विघवा हरि चन्द, निवासी महाल सलिहार 'प्रार्थी _। मौजा गझवाड़, तहसील खुंड़िया

बनाम

आम जनतः

∵प्रतिवादी ।

1.17,

विषय. -दश्स्ती नाम चनार राम की बजाए राज कुमार बारे ॥

इश्तहार मुस्त्री म्नादी ।

श्रीमती माया देवी वि0 हरि चन्द, निवासी महाल सलिहार मौजा गन्नवाइ, तहुमील खुड़ियां, जिला सांगडा ने इस अदासन में

प्रार्वना-पत व व्यान हनकोया पेत्र किया कि उसके नड़के का नाम स्कूल के प्रिमिलेख में राज कुमार पुत्र हरि चन्द है। परन्तु राजस्य रिकार्ड में उसका नाम जमारू राम दर्ज है।

स्रतः इस इश्तहार द्वारा प्राप्त जना। की सूचित किया जाता है कि :यदि किसी व्यक्ति की चनाहर्षा राम उर्फ राज कृमार पुत हिए स्रतः के नाम की दहस्ती चारे कोई उजर व एतराज हो तो वह प्रभावतन व वकालतन नारोख पेशी 23-11-2001 को पेश करें। स्र-यया एक तरका कार्यवाही स्रन्त में लाई जा कर नाम दहस्ती के स्रादेश पारित कर दिये जायेंगे।

येः इक्तहार मोहर श्रदालत व मेरे हस्ताक्षर से जारी हुना।

मोहर ।

जगदीश राम, सहायक समाहर्ता,

हितीय श्रेणी, खुंडियां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री मनोहर लाल, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेण

मिसल न 0 उनवान मुकद्मा तारीख पेशी

न्त्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री जतर सिंह, निवासी समकेहड़, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

भाम जनता

विषय .--नाम की दुरुस्ती हेतु प्रायंना-पन्न।

श्री मुखदेव सिंह पुत श्री चतर सिंह, निवासी समकेहड़, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसके पिता का नाम चतर सिंह है जो कि राजस्व प्रीक्षलेख में चतरू गलत दर्ज चला आ रहा है। जिसकी दुरुस्ती करवाना चाहता है।

अतः इस इफ्तहार राजपत्र द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को भी उपरोक्त नाम की दुष्टती बारे एतराज हो तो बह दिनांक 20-11-2001 को प्रातः 10-00 बजे हाजिर अदालत बाकर असालतन या वकालतन अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आदेस दुष्टती पारित कर दिये जाएंगे।

भ्राज दिनांक '0-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भ्रदालत से जारी किया गया ।

मोहर।

मनोहर लाल, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ना, प्रथम श्रेणी ज्वाली, जिला कांगडा, हिमाचल प्रदेश।

ब ग्रें ब प्रदालत श्री मनोहर लाल, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

े मिसल नं**0 . . . उनवान मुक्**ट्मा तारीख पेशो

श्री मिलखी राम पुत्र श्री राम सिंह, निवासी पलौहुड़ा, तहसील
 ज्वाली, जिला कांगडा, हिमाबल प्रदेश

वनाम

1. सर्वेश्री जगदीश, 2. हरि राम, 3. सोम दत्त, 4. सुशील कुमार

्रुतान व 5. श्रीमती विमला देशी, 6. कान्ता देवी पुतियां सन्तू, 7. कुँमारी बीना, 8. कुमारी वेबी पुतियां भामा देवी पुत्री सन्तू, 9. संजीव कुमार, 10. सुधीर कुमार, 11. सतिन्दर कुमार, 12. लाल घन्द पुतान शकुन्तला, देवी पुत्री सन्तू, 13. बुधि प्रकाश, 14. करम चन्द, 15 प्रशंबंनी कुमार पुद्रान कालू, निवासीयान पर्नोहड़ा, तहसील ज्वाली, जिला कांग्हा, हिमाबल प्रदेश

प्रार्थनान्यत्र बराये तकसीम भूमि प्राराजी खाता नं 0 40, खतीनी नं 0 76 ता 0 78, खतारा नं 0 270, 271, 274, 277, 279, 272, 273, 275, 276, 268, 269, 278, 280, कित्ता 13, रकवा तादादी 1-57-40 हैक्टेयर, बाक्या महाल गगेहड़, भीजा प्लीहड़ा, तहसील ज्वाली, जित्रा कांगडा, हिमाचल प्रदेश।

उपरोक्त प्रिवादीगण को कई बार समत जारी कि गये परन्तु प्रतिवादीगण नौकरीनेणा या णादीणुढ़ा होने के कारण उन पर समनी को नामाल साधारण तरीके से नहीं हो सकी । प्रतः वजरिया स्वत्वदेख उक्त प्रतिवादीगण को सूचित किथा जाता है कि वे दिनांक 20-11-2001 को प्रातः 10.00 बने हमारी प्रदालत में प्रसालतन या वकालतन हाजिर प्राकर मुकद्मा की पैरवों करें प्रत्यथा गैर-हाजरी को सूरत में उनके विकद यक तरफा कार्यवाही प्रमल में लाई जावेगी।

ग्राज दिनांक 20-9-2001 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर श्रदालत , मे जारी हुन्ना ।

मोहर।

मनोहर लाल, नहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्र प्रथम श्रेणी, ज्वाली, जिला कागड़ा, हिमाचल प्रदेश।

व प्रदालन कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जस्कां, जिता कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

व पुकःदुनाः जन्म तिथि प्रमणि-पन्न ।

रण पाल

वनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्न जेर बारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधिनियम, 1969

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री राज पाल सिंह पुत्र श्री सोम नाथ वासी बनूडी, ने इस न्यायालय में दरख्वास्त दो है कि उसकी पुत्री रेणू बाला का जन्म पंचायत राजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावें। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 2-4-1990 है। तथा बच्ची का जन्म गांव बनूड़ी में हुम्रा है।

ग्रनः इन नोटिम द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिस्ते दारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम दर्ज करवाने ग्रीर कोई ग्रापित्त ग्रगर हो तो वह दिनांक 28-11-2001 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं ग्रथवा किसी वांच्छित के माध्यम से हमारे समक्ष ग्रदालत में हाजिर ग्रा कर पेश करें। ग्रन्यया एक तरका कांग्रवाही ग्रमल में लाई जाएगी।

श्राज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-कार्यकारी दण्डाधिकारी, जस्वां स्थित कोटला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

व मुकद्माः जन्म तिथि प्रमाण-पत्र ।

रभ पाल 🚟

बनाम

ग्राम जनलाः

प्रावेना-सङ्ग बंर झारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण फ्रांचिनियम, 1969

क्रोडिस इनाम ग्राम बनता ।

और ज पाल सिंह पुत्र श्री सोम नाय, बासी बनूड़ी ने इस न्यायालय में दरध्वरित हो है कि उसके पुत्र विशास कुमीर का जन्म पंचालत रिडस्टर में गम्रती से दर्ज न करवाया ग्रया है। मब दर्ज किया जाए। इसके पुत्र की जन्म तिथि 12-11-1996 है तथा बच्चे का जन्म गांव बनुही में हुआ है।

स्नाः इस नोटिस द्वारा समस्त बनता तथा सम्बन्धित रिश्वेद्वारों को सृष्टि किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम हजं करवाने बाने सगर कोई सापित्त हो तो वह दिनांक 28-11-2001 को सबय 10.00 बजे प्रातः स्वयं प्रथवा किसी निष्ठिन्ते के माध्यम से हसार समक्ष स्वानद में हाजिर हो कर पेश करें । सन्यथा वक तरका कार्यवाही अमल में साई जाएगी ।

क्राज दिमाक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदालत सहित वारी हमा।

मोहर ।

हस्ताधरित/-कार्यकारी दण्डाधिकारी, उस्त्रां स्मित्र कोटला, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब ग्रदासन कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जस्वां, जिला कांगटा हिमाचल प्रदेश

व मुक्क इसा: जन्म तिथि प्रमाण-पत्र।

रश पाल

बनाम

धाम जनता

प्रार्थना-पत्न जेर घारा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण कविनियम, 1969.

मोटिस बनाय ग्राम जनता ।

भी रक्ष पास सिंह पुत्र भी बोध नाम, बासी बनूही ने इस न्यायालय में बरख्वास्त दी है उसकी पुत्री पूजा कुमारी का जन्म पंचायत रिवस्टर में गनती से दर्ज न करवायी गयी है। प्रम दर्ज किया जाये। इसके पुत्री की जन्म तिथि 23-3-1994 है। तथा बच्चे का जन्म मांव बन्ही में हुआ है।

भनः इस नोटिस झारा समस्त जनता तथा समझन्छ। रिश्तेदादों को यूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम वर्ष करने बारे कोई झार्पात हो तो बहु दिनांक 28-11-2001 को समय दम बजे प्रातः स्वयं प्रथवा किसी न छिन्ते के माध्यम से हमारे समस्त प्रदालत में हाजिर झा कर पेश करे। ग्राय्या एक तरफा कामेंबाही असल से लाई आएसी।

भाज विनाम 16-10-2001 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर भदालत से जारी हुमा।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-कार्यकारी दण्डाधिकारी, जस्वो स्थित कोटला, जिला कोगद्या, द्विमाचल प्रदेश ।

म्रदायन कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील जस्बा, जिला कांगड़ा,
 हिमाचल प्रवेड

🖣 मकहमाः जन्म तिथि प्रमाण-पत्र ।

रश पाल

बनाम

ग्राम जनता

दरक्वास्त जेर झारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु निमि पजीकरण अधिनियम, 1969.

जोटिस बनाम धाम जनता।

श्री रण पास पुत्र श्री सोभं नाथ, वासी वन् ही ने इस त्यावालय में दरस्वास्त दी है जिसके पुत्र दीपक कुमार का जन्म पंचायत रिजस्टर में गलती से दर्ज न करनाया गया है। प्रतः सब दर्ज किया जावे। इस के पुत्र की जन्म तिथि 11-7-1992 है तथा उच्चे का जन्म गांव बनुष्ठी में इसा है।

मतः इस तांटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिफ्तेदारों कां मूचित किया जाता है कि यदि कियी को उसका नाम दर्ज करवाने बारें कोई भापित ग्रगर कोई हो तो वह दिनांक 28-11-2001 को समय प्रातः 10.00वजे स्वयं ग्रथवा किसी निष्ठित्ते के भाष्यम से हमारे सम्भ्र भदालत में हाजिर ग्राकर पेण करें, ग्रन्थण एक तरुका कार्मबाही ग्रमल में लाई जाएगी।

शाज दिनांक 16-11-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सदाखत ह जारी हुआ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित्/-कार्यकारी दण्डाधिकारी, ज्ञस्यां स्थित कोटला, जिला कांगडूा, हिमाचल प्रदेश ।

CHANGE OF NAME

I, Rajesh s/o Shri Amar Singh, r/o VPO Patti, Tehsil Palampur, Diatrict Kangra (H. P.) have changed my Name from Rajesh to Rajesh Choudhary.

All concerned please note for future.

RAJESH CHAUDHARY, V.P.O. Patti, Tehsil Palampur, District Kangra (H. P.).

In the Court of Shri Ravinder Prakash, Senior Sub Judge, Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh

In the matter of :

Succession Act No. 19/2001.

1. Lekh Raj son of Shri Ganga Ram, 2. Sukh Ram son of Shri Ganga Ram, 3. Prabhi Devi d/o Shri Masadi, 4. Geeta Devi d/o Shri Masadi, All residents of Village Dhonalag, Sub-Tehsil Baldwara, District Mandi, Himachal Pradesh ...Petitioner.

Versus

General public

.. Respondents.

Application Under Section 372 of Indian Succession Act.

To

The general public,

Wherein above noted case the petitioners have filled the application for the grant of succession certificate under the provision of Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 and the same is fixed for 21-11-2001 for the service of General Public/respondent.

Hence this proclamation under order 5, Rule 20(1-A) C. P. C. is hereby issued against the above noted respondent/general public to appear in this Couri on 21-11-2001 at 10.00 A.M. personally or through pleader to defend the case failing which the above noted respondent, general public shall be proceeded ex parts.

Given under my hand and the seal of this Court today the 21st September, 2001.

Seal.

RAVINDER PRAKASH Senior Sub-Judge, Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh. In the Court of Shri Ravinder Prakash, Senior Sub Judge, Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh

In the matter of ;

Guardian and Ward Act No. 18/2001.

Shrimati Ram Payari wd/o Shri Totu Ram, r/o Village Gamdhol, Post Office Sai Galu, Tchsil Sadar, District Mandi, Himachal Pradesh through her special Power of Attorney Shri Jiwan Lats/o Shri Totu Ram, Petitioner.

Versus

general public

.. Resnondent.

Application under section 7 & 8, read with section 10 of the Guardian and Ward Act, 1890.

Τo

The general public

Wherein above noted case the petitioner has filed an application for the appointment of the petitioner as guardian of the person and property of the minors Yashpal, Mukesh Kumar, and Rakesh Kumar sons of late Shri Chaman Lal s/o Shri Totu Ram, r/o village Gamdhol (Nalsan), Post Office Sai Galu, Sub-Tehsil Kotli, District Mandi, Himachal Pradesh under the provision of section 7 and 8 read with section 10 of the Guardian and Ward Act, 1890 and the same is fixed for 20-11-2001 for the service of general public/respondent,

Hence, this proclamation under order 5, rule 20(1-A) C. P. C. is hereby issued against the above noted respondant/general public to appear in this Court on 20-11-2001 at 10.00 A. M. personally or through pleader to defend the case failing which the above noted respondent/general public shall be proceeded ex parte.

Given under my hand and the seal of this Court today the 19th October, 2001

Seal.

RAVINDER PRAKASH, Senior Sub Judge, Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh.

ब भ्रदालत श्री एच0 एस0 पुन्डीर, कुलैक्टर उप-मण्डल चौपाल, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री मतर सिंह पुत्र श्री नरायण सिंह, ग्राम निवासी मझोटली, परगना चांजू तहसील चौपाल, जिला शिमला (हि 0 प्रत) ... प्रार्थी ।

वनाम

 श्री गुरदीता मल पुत्र श्री नामालूम, जिला होशियारपुर पंजाब (भारत) मुतैईन ।

2. ग्राम जनता

ं प्रतिवादी ।

प्रायंना-पत्न प्रत्यपर्ण भूमि रैहन भू-राजस्व अधिनियम, 1976 की घारा 3 (2) के ग्रन्तंगत।

इश्तहार बनाम ग्राम जनता।

हरगाह श्रापको स्चित किया जाता है कि श्री श्रतर सिंह पुत्र श्री नरायण सिंह ग्राम मिन्नोटली परगना चांजू, तहसील चौपाल, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में जेर धारा 3 (2) उपरोक्त ग्रिधिनयम, 1976 के अन्तर्गत प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि श्री गुरदीता. जिला होशियारपुर पंजाब के नाम श्रराजी खाता खतौनी नं0 6/12 खसरा नम्बर 1370/1192 रकवा तादादी 0-4 विस्वा चक चौपाल में धतौर मुतहिंन जमावन्दी वर्ष 1998-99 कागजात माल में इन्द्राज है । प्रार्थी के भूपथ-पत्न के मताविक

श्री गुरदीता मुतेहेंन लाबल्द फौन होना बताया जाता है । प्रार्थी श्री अतर सिंह इस रकवा से मुतेहेंन के इन्द्राज को कटबाना चहाना है ।

ग्रतः ग्राम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इस रक्या से मुर्तेहन का इन्द्राज कटवाने बारे कोई उजर व एतराज हो तो यह प्रपता उजर व एतराज ग्रमान्तन या वकालतन दिनांक 21-11-2001 को प्रात: 1000 वजे भेरी प्रदालत मुकाम चोपाल में हाजर ग्राकर पंशा करें। ग्रन्थया एक तरफा कार्यवाही ग्रमल में लाई जायेगी।

ग्राज दिनांक 4-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हुग्रा।

मोहर ।

एच 0 एम 0 पुन्डी र, कुलंक्टर उप-मण्डल चीपाल, जिला शिमला (हि 0 प्र0) ।

ब अदालत श्री श्रो0 पी0 नेपी, महायक समाहती, प्रथम श्रेणी रामपुर बुमैहर, जिला शिमला. हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा : इन्तकाल मुकद्दमा, उल खबरी।

श्री मोलक राज पुत्र स्वर्गीय प्यारे लाल, तिवासी झाखडी, तहसील रामपुर, जिला शिमला ।

वनाः

श्रराजी मालकान व वारतान मुहात झाखडी।

विषय .— ग्रदालती इस्तहार गुम भुद्धा मालिक श्रीमती वांका देई पुत्री प्यारे लाल, निवासी झाखडी की अचल गम्पति के प्रकाशन बारे।

मुहाल झाखडी में प्रार्थी श्री मोलक राज के ताम इन्तकाल नम्बर 333 मकफूद उल खबरी बावत लाई लेमी श्रोमती वांका देई पुत्री स्विगया प्यारे लाल, 1/6 भाग वाकी वदस्त्र 5/6 भाग का दर्ज हुआ है। श्रीमती वांका देई मालिक का कोई पता नहीं है कि वह जिबित है या उनको मृत्यु हो चुकी है क्योंकि उसका पिछले 10 सालों से काफी खोज बीन के बाद भी कोई पना न चना ग्रौर न ही लाइ लमी बांका देई ने सम्पर्क स्थापिन किया।

स्रत: सम्बन्धित मालकान वारतान मुहाल आखडी व प्रास पास के महान को वजरिया इस इक्तहार स्चित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपपूर्वत इन्तकाल वांका देई वहक मोलक राज के नाम तस्वीक होने पर कोई उजर/एतराज हो तो वह इक्तहार जारी होने की तारीख से एक माह के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर स्नाकर स्रपना एतराज प्रस्तुत कर सकते हैं। एक माह का समय बीत जाने के बाद नियमानुसार इन्तकाल नम्बर 333, मकफूल-उल-खबरी मोलक राज के नाम तस्दीक कर दिया आयेगा।

इक्तहार ब्राज दिनांक 19-10-2001 को हमारे तस्ताक्षर व मोहर ब्रदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ग्रां। पी । नेगी, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, रामपुर बुगैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ।

ब ग्रदालत राजेश शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी (ग्रा०) शिमला. जिला शिमला (हि० प्र०)

श्री हेम सिंह पुत्र श्री केशव नन्द

बनाम

ग्राम जनता

दरक्वास्त जेर घारा 13(3) तत्म एवं मृत्यु पंजीकरका अधिनियम, 1969 बाबत नाम व अन्म निधि पंचायत घ्रिभिलेख में दर्ब करने बारे ।

श्री हम मिह ने उस ग्रदालत में एक ग्रावेदन पत्र इस श्राश्य के साथ मुत्र राहे कि उपकी देरी कमारी भावना वर्माका नाम व जन्म तिथि 29-10-2000 उनकी ग्राम पंचायत तकरोड़ी के ग्रिभिलेख में दर्ज नहीं कर रखी है। ग्रतः ग्रव दर्ज की जाये

द्यनः इस अशलती इस्तहार द्वारा नर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उक्त प्रावेदक की वेटी का नाम व जन्म निश्चि उनकी याम पंचायन गकरोड़ी के प्रभिलेख में दर्ज करने में कोई साधित हो तो वह प्राचा आपत्तिनाना दिलांक 20-11-3001 तक या उनसे पूर्व इस प्रशासन में हाजिए हो कर प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा मचिव प्राम पंचायत सम्बन्धित को नाम व जन्म निथि उनके पंचायत के स्थिनेख में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंसे।

आज दिनांक 16-10-2001 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुन्ना ।

माहर ।

राजेश शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी (ग्रा), शिमला, जिला शिमला (हि ० २०)।

ब धदालन श्री रात्रेण गर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, (प्राठ) शिमला जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

थी नजीव रोहाल सुपुत्र श्री मीहन भिह रोहाल

बनाम

ग्राम जनता

प्रापंता-पत्न तेर धारा 13(3) जनम एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधितियम, 1969 बाबन नाम व जन्म निथि पंचायत अभिलेख में दर्ज करने बारे।

थी मजीव रोहाल ने इस ग्रदालन में एक आवेदन-पद्ध इस भ्रामण के साथ गुजारा है कि उसकी पत्नी व बेटियों, श्रीमत्ती सीला रोहाल भ्राय 15-12-69 तथा बेटियों स्मृति रोहाल जन्म तिथि 2-4-2000 नुनीधी रोहाल जन्म निथि 28-5-2001 उनकी भ्राम पंचायत जलेन के भ्रमिलेख में दर्ज गहीं कर रखी है। भ्रतः भव दर्ज की जावे।

धन: इस धदालती इश्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उनन प्रावेदक की पत्नी व बेटियों के नाम जन्म निधिया उनकी धाम पंवायत जलेल के प्रभिलेख में दर्ज करने में कोई धापनि हो तो वह धपना प्रापत्तिनामा दिनांक 20-11-2001 नक या उससे पूर्व इस धदालत में हाजिर होकर प्रस्तुत कर सकता है धन्यणा सचिव प्राय प्रचायन सम्बन्धित को नाम व जन्म निधियां उनकी पंचायन के प्रमिलेख में दर्ज करने के धादेश प्रित कर दिये जायेंगे।

यात्र दिनां र 17-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर घदानत सहित नारी हुमा है।

मोहर ।

राजेश गर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, शिमला (ग्राठ), जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ।

सदानत भी राजेश कर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, जिमला (या०),
 जिला जिमला, हिमाचल प्रदेण

वनवीर सिंह मुपत श्री ईंग्बर मिह

बनाम

याम जनता

प्रार्थना-पत्न बेर घारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधि-नियम, 1969 बाबत नाम व जन्म निधि पंचीयन प्रभिलेख में दर्व करने बारे । श्री बलबीर सिंह ने इस भ्रदालत में एक ब्रावेदन-पत्न इस ग्राणय के साथ गुजारा है कि उसकी पत्नी श्रीमतीक पना का नाम व शादी की तिथि 29-3-1998 जोकि उनकी ग्राम पंचायत चलाहल के ग्रामिलेख में दर्ज नहीं है, सब दर्ज की जावे।

भतः इस ग्रदानती इश्तहार द्वारा सर्वसाधारण को तूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उनत ग्रावेदक की पत्नी का नाम व शादी उनकी ग्राम पंचायत चलाहल के ग्रामिलेख में 1 के करने में कोई श्रापित हो तो वह अपना श्रापत्तिनामा दिनांक 20-11-2001 तक या उससे पूर्व इस ग्रदालत में हाजिर होकर प्रस्तुत कर सकता है ग्रन्थमा सच्चित ग्राम पंचायत सम्बन्धित को नाम व शादी की तिथि उनकी पंचायत के ग्रामिलेख में दर्ज करने के ग्रावेश पारित कर दिए जाएंगे।

प्राज दिनांक 17-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदालत सहित जारी हवा है।

मोहर ।

राजेश धर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, शिमला (ध्रा०), जिला जिमला (हि0 प्र०)।

ब प्रदालत श्री राजेश शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, शिमला (बा०), जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्री खिवण राम पुत्र किशनू राम

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण भ्रधिनियस, 1969 बाबत नाम व जन्म तिथि पंचायत भ्रभिलेख में दर्ज करने बारे।

श्री खिवण राम ने इस अदालत में एक ग्रावेदन-पत्न इस ग्रामय के साथ गुजारा है कि उसके पोर्ते मोहित कुमार पुत्न श्री बिहारी लाल का नाम तथा जन्म तिथि 10-9-1996 उनकी ग्राम पंचायत बसन्तपुर के ग्राभिलेख में दर्ज नहीं कर रखी है। ग्रत: ग्रब दर्ज की जाये।

प्रत: इस अदालती इज्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उक्त आवेदक के पीते का नाम व जन्म तिथि उनकी ग्राम पंचायत बसन्तपुर के प्रभिन्नेख में दर्ज करने बारे कोई ग्रापत्त हो तो वह ग्रपना प्रापत्तिनामा दिनांक 20-11-2001 तक या इससे पूर्व इस ग्रदालत में हाजिर होकर प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा सचिव ग्राम पंचायत सम्बन्धित को नाम व जन्म तिथि उनकी पंचायत के ग्राभिन्नेख में दर्ज करने के ग्रादेश पारित कर दिए जायेंगे।

ग्राज दिनांक 15-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत सहित जारी हुन्ना है।

मोहर ।

राजेश शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधकारी, शिमला (ग्रा०), जिला शिमला (ह्वि प्र०) ।

ৰ সহালন श्रीरःजेण शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, शिमला (ग्रा०), जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्री घनश्याम शर्मा पुत्र श्री मुशु राम, निवासी ग्राम जमोग, डाकचर जूणी, तहसील मुन्ती, जिला शिमला (हि0 प्र0) ।

दनाम

भाम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधिनियम, 1969 बावन पंचायन चिमलेख में नाम व जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे / श्री घनक्याम शर्मा ने इस ग्रदोलन में एक ग्रावेदन पत्न इस ग्राश्य के साथ गजारा है कि जसकी वेटी कुमारी मनीपा की जन्म तिथि 14-8-1996 है परन्तु उनकी उक्त वेटी का नाम व जन्म तिथि ग्राम पंचायत श्रमिलेख जुगी में दर्जनहीं है ग्रतः ग्रव वर्ज किया जावे।

ग्रतः इम प्रदालती इश्तहार ग्रारा सर्वमाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को श्री घनण्याम शर्मा को पुत्री कुमारी मनोषा के नाम व जन्म निषि को पंचायत श्रीभ-लेख जूणी में दर्ज करने वारे कोई आपित व एतराज हो तो वह ग्राना ग्रापित्तानामा इस ग्रदालत में दिनांक 20-11-2001 को या इससे पूर्व स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तृत कर सकता है ग्रन्थथा सचित्र, ग्राम पंचायत जूणी को उक्त के नाम व जन्म निथि को पंचायन पर्वायत रिकार्ड में दर्ज करने बारे ग्रादेश पारित कर दिए जाएंगे।

ग्राज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर द्वारा इस ग्रदालत से जारी किया गया ।

मोहर ।

राजेश सर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी क्रिमला (ग्रा०), जिला शिमला (हि0 प्र०)।

ब ग्रदालत श्री राकेण गर्मा, हि 0 प्र 0 से 0. उप-मण्डल दण्डाधिकारी, नाहन, जिला सिरमीर हिमाचल प्रदेश

व मुकद्दमाः

श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री मोती राम, निवासी ग्राम काण्डो, तहसील संगड़ाह, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ।

वनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री ग्रमर सिंह पुत्र श्री माती राम, निवासी ग्राम काण्डो, तहसील रेणुका जी, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने इस ग्रदालत में दरख्वास्त गुजारी है कि उसकी पुत्री की सही जन्म तिथि 1-11-1984 है परन्त ग्राम पंचायत धन्दूरी के रिकार्ड में 1-11-1981 दर्ज है जिसकी दरुस्ती करवाना चाहता है।

प्रार्थी श्री ग्रमर सिंह के आवेदन-पत्न ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, धन्डूरी से रिपोर्ट ली गई है जिसमें प्रार्थी की पुत्री शांता कुमारी की जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में 1-11-1981 दर्ज होने पुष्टि की है।

ग्रतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा ग्राम काण्डो व प्रार्थी श्रमर सिंह पुत्र मोती राम के समस्त रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी श्रो श्रमर सिंह को पुत्री श्रान्ता कुमारी की जन्म निथि की दक्ष्मी बारे कोई उजर एतराज हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे तक ग्रदालन हजा स्थित नाहन में श्रसालतन या वकालतन हाजिर ग्राकर दर्ज करा सकता है। निर्धारित ग्रवधि तक कोई ग्रापित प्राप्त न होने की स्थित में प्रार्थना-पत्र श्री अमर सिंह पर नियमानुसार कार्यवाही श्रमल में लाई जाएगी।

ग्राज दिनांक 17-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मोहर द्वारा ग्रदालन से जारी किया गया ।

मोहर ।

राकेश शर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी नाहन, जिला सिरमौर (हि0 प्र0) ।

ब ग्रदालत डा० एम० पी० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारो, पांवटा माहिब, जिता सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री; रामीया पुत्र बोचा राम, निवासी दिन्डोली, तहसील शिलाई, जिला क्रिंगीर, हिमाचल प्रदेश।

बताम

याम जनता

प्रायंता-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री रामीया पुत्र बीजा राम ने इस भ्रदालत में एक प्राथंना-पत्र दिया है कि उसके पिता का नाम विज्ञा राम है परन्तु ग्राम पंजायन रिकार्ड अजरोली में उसका नाम धंगू राम किया गया है जो कि गलन है।

श्रतः सर्वेसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी ब्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 19-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे प्रदालत हजा स्थित पांवटा साहिब में प्रसालतन ग्रथवा वकालनन हाजिर ग्राकर प्रपत्नी स्थित/एतराज प्रस्तुत कर सकता है। निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सूरत में प्रायंना-पन्न श्री रामीया पर नियमानुसार कार्यवाही कर दी जाएगी।

भ्राज दिनांक 19-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदाचन इंग्स जारी किया गया।

मोहर ।

एम ० वी० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पावटा साहिब, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश ।

ब श्रदालन डा० एम० पी० मूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री मुख देव सिंह पुत्र श्री राम सरन, निवासी खोड़ोबाला, तहसील पांवटा, जिला सिरमौर (हिं0 प्र0) ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्न जेर घारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण श्रिधिनियम, 1969.

श्री मुखदेव सिंह पुत्र श्री राम सरन, निवासी खोड़ोबाला, तहसील पांवटा ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की लाजवंती का जन्म दिनांक 6-10-1988 को हुआ था परन्तु श्रज्ञानतावण उसकी जन्म निथि ग्राम पंचायत गोरखुवाला में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार के मार्फत सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को प्रातः 10.00 वजे अदालत हजा स्थित पांत्रटा में श्रसालतन या वकालतन हाजिर ग्राकर दर्ज करा सकता है। निर्धारित ग्रवधि के पश्चात् कोई ग्रापिन प्राप्त नहोंने की सूरत में प्रार्थना-पत्र श्रो सुबदेव सिंह पर निषमानुसार कार्यवाही को जाएगी।

आज दिनांक 23-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर ।

एम0 पा0 सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा माहिब, जिला सिरमौर (हि0 प्र0) ।

ब प्रदालत डा० एम० पी० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांबटा साहिब, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्रीमतो गुलाबी देवो पुत्री प्रेम्, निवासी ग्राम माटला, तहसील पावटा जिला सिरमीर (हि0 प्र0) ।

बनाम

श्राम जनता

प्राचना-पञ्च बेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनयम, 1969-

श्रीमती गुलाबी देवी पुत्री प्रेम्, निवासी माटला, तहसील पांवटा ने इस ग्रदासन में एक प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसका स्वयं का जन्म दिनांक 20-5-1982 को हुग्रा था परन्तु ग्रज्ञानतावज उसकी जन्म तिथि बाम पंचायत जावगा के रिकाइ में 20-5-1988 बर्ज की गई है जो कि गलत है।

श्वतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार के मार्फत सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनाक 22-11-2001 को प्रातः 10-00 बजे घटालत हजा स्थित पांचटा में भ्रसासतन या वकालतन हाजिर भ्राकर भ्रपने उजर बजे करासकता है। निर्धारित प्रविध के पश्चात् कोई भ्रापित प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थना-पन्न श्रीमती गुलाबी देवी पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

माज दिनांक 23-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर मदालत द्वारा जारी किया गया ।

मोहर ।

एम० पी० सूद. उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांक्टा साहिब, जिला सिरमीर (हि० प्र०) ।

ब ग्रदालत **डा०** एम० पी० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी,पावटा साहिब, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

व मुकद्दमाः

श्रीसन्त राम सुपूब श्री छितु, निवासी कांटी माध्वा, पांवटा साहिब (हिठ प्र0) ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्न बराए दुक्स्ती नाम ।

उपरोक्त मृकद्दमा श्राम वाला में श्री सन्त राम पुन्न छितु, निवासी कांटो माध्वा मय ध्यान हिल्फ्या ब्यान/प्रार्थना-पत्न दिया है कि ग्राम पंचायत कांटो माध्वा के रिकार्ड में उसकी पत्नी विद्या देवी व बच्चे नाम विनोद गलती से उसके भाई मनिया के नाम पर दर्ज हो गए हैं। जबकि उक्त सदस्य उसके परिवार के हैं। इस गलती को दुकम्न किया जाए।

मत: माम जनता को बजरिया इक्तहार सुचित किया जाता है कि भगर उपरोक्त बारे किसी को कोई उजर एतराज हो तो वह अधोहस्ताकरी की भदालत में दिनांक 22-11-2001 से पूर्व अपने एतराज भसालतन या वकालतन पंश कर सकता है। निर्धारित भविध पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थना-पन्न श्री सन्त राम के प्रार्थना-पन्न पर भागामी कार्यवाही कर दी जाएगी।

माज दिनाकः 23-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व माहर ग्रदालत द्वारा जानी किया गया।

मोहर ।

एम० पी० सूद. उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा माहिब, जिल्ला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश ।

व कदासत हात एम०पी० सूत, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिन्मौर, हिमाचल प्रदेश

बमुकद्दमा :

श्रीधर्मसिह पुत्रश्री मोजी राम, निवासी भृगाई।, तहसीस जिलाई।

बेसाम

माम बनता

प्रार्थना-पव बराए दहस्ती नाम ।

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान बाला में श्री धर्म सिंह पुत्र श्री मौजी राम, निशासी मुगाडी मय ब्यान/प्रार्थना-पत्र दिया है कि ग्राम पंचायत बादली के रिकार्ड में उसकी पन्नी व लड़का दीपू गलती से गलत नाम पर दर्ज हो गए हैं जबकि उक्त सदस्य उसके परिवार के हैं। इस गलती को दश्क्त किया जाए।

भत: ग्राम जनता को बजरिया इष्तहार सूचित किया जाता है कि ग्रगर उपरोक्त बारे किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह ग्रग्नोहस्ताक्षरी की श्रदालत में दिनांक 22-11-2001 से पूर्व ग्रपने एतराज ग्रसालतन या वकालतन पेश कर सकता है। निर्घारित ग्रविध पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सुरत पर श्री धर्म सिंह के प्रार्थना-पत्न पर ग्रागामी कार्यवाही कर दी जाएगी।

द्याज दिनांकः 23-10-2001 को हमारे हस्ताक्षर व माहर अदालत से जारी हम्रा।

मोहर ।

एम० पी० सूद, इप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांचटा साहिब, जिला सिरमोर, हिमानल प्रदेश ।

ब श्रदालन डा० एम० पो० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांतटा साहिब जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री दया राम पुत्र तेलू राम, निवासी पोका, पांवटा साहिव, जिला सिरमौर (हि0प्र0)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्न जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण 🔑 प्रधिनियम, 1969.

श्री द्या राम निवासी पोका ने इस श्रदालत में प्रार्थना-पद्म दिया है कि उनके लड़के का नाम विऋम शर्मा है परन्तु पंचायत रिकार्द पोका में उसका नाम पिकू किया गया है जो कि गनत है। मब ठीक 4िया जाए।

ग्रतः सर्वेसाधारण को इस इश्तहार के मार्फत सूचित किया जें जाता है कि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे प्रदालत हजा स्थित पांवटा साहिब में ग्रसालतन श्रथवा वकालतन हाजिर श्राकर ग्रपनी स्थिति/एतराज प्रस्तुत कर सकता है। निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सुरत में प्रार्थना-पत्न श्री ट्या राम पर नियमानुसार कार्यवाही कर दी जाएगी।

भाज दिनांक 23-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर भदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर ।

एम० पी० सूद, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमोर, हिमाचल प्रदेश।

ब ग्रदालन श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (नर्गा), ग्रम्ब बिला ऊना (हि0 ग्रा०)

श्रीमती जिलाबाई 0 सी 0 पत्नी श्री किसोरी लाल, निवासी श्रवां मिं मिंघियां, तहसील श्रम्ब, जिला उता (हि 0 प्र 0)।

बनाम

माम जनता

नोटिः बनाम ग्राम जनता ।

श्रीमती विजाबाई 0 सी 0 पत्नी श्री किशोरी लाल, निवासी मया सिंधिया, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में एक दरस्वास्त गुजारी है कि उसका नाम व उनके पुत्र का नाम मुंभम व जन्म तिथि 26-12-1996 व माता का नाम मीमा पत्नी किशोरी जाल दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसके पुत्र का नाम शिनोद भारती जन्म तिथि 15-12-1996 दर्ज होनी चाहिए तथा माता का नाम मीमा की जगह शिजावाई 0 सी0 दर्ज होना चाहिए जो सही है।

म्रतः सर्वसाधारण को इस इक्ष्तहार द्वारा स्वित किया जाता है र्माक यदि किसो मी व्यक्ति को नाम व जन्म निथि दहस्त करने बारे कंद्रिएतराग हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को स्रजाननन या बकालतन हाजिर आकर प्रपना एतराज पेश कर सकता है। न स्राने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही स्रमल में लाई जाकर नाम दहस्ती के स्रादेश पारित कर दिये जाएंगे।

ग्राज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मीहर ग्रदालन से जारी हन्ना।

मोहर ।

तरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ताः०) ग्रम्य, जिला उना, हिमाचल प्रदेश ।

ब म्रदालत श्री नरेन्द्र मर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सन्जीव शर्मा पुत्र श्री होणियार चन्द, निवासी कुठेड़ा खैरला, तहसील ग्रम्ब, जिलाऊना (हिं। प्र०)।

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री सन्जीव भर्मा पुत्र श्री होिशयार चन्द, निवासी कुठेड़ा खैरला, तहसील ग्रम्य, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्योलय में एक दरख्वास्त गुजारी है कि उसके बेटेका नाम पंचायत रिकार्ड में प्रकांत भर्मा दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसका नाम ग्रभजीत भर्मा है उस का नाम ग्रकान्त शर्मा की जगह ग्रभजीत भर्मा दर्ज होना चाहिए जो सही है।

श्रतः सर्वंसाधारण को इस इक्ष्तहार द्वारा सूचित किया जाता है ▶ कि यदि किसी को नाम दरुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 29-11-2001 को श्रसालतन या वकालतन हाजिर श्राकर श्रपना एतराज पेश कर सकता है। न श्राने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही श्रमत में लाई जाकर नाम दरुस्ती बारे श्रादेश पंचायत को जारी कर दिये जाएंगे।

श्राज दिनोंक 27-10-2001 की मेरे हस्ताक्षर व मोहर मदालत से जारी हम्रा ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

ब ब्रदालत श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सरफ दीन पुत्र श्री मंगत दीन, निवासी गांव कुठियाड़ी, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

माम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री सरफ दीन पुत्र श्री मंगत दीन, निवासी गांव कुठियाड़ी, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में एक दरख्वास्त गुजारी है कि उसका व उसके बेटे का नाम पंचायत रिकार्ड में विजय कुमार पुत्र सलफी दर्ज है जोकि गलत है जबकि उसका नाम

व उसके वेटे का नाम मुहम्मद युसफ पुत्र र्था सग्फ दोन दर्ज होन चाहिये जोकि सही है ।

अतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी क्यक्ति को इस बारे कोई उजर वएनराज हो तो वह दिनों के 22-11-2001 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करा सकता है न आने की मृरत में एक तरफा कार्यदाही अमल में लाई जाकर नाम दक्स्ती आदेश ज्वायत को जारी कर दिए जायेंगे।

ग्राज दिनोंक 18-10-2001 को मेरेहस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत में जारी हुग्रा ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (२००) श्रम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब ग्रदानन श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्य. जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

र्श्वा राकेश कुमार पुत्र श्री किशन चन्द चौचरी, निवासी गांव टटेहड्ड, नहसील ग्रम्य, जिला ऊना (हि० प्र०) ।

वन(म

श्राम जनना

ोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री राकेण कुमार पुत्र श्री किश्वन चन्द चीधरी, निवामी गांव टटेहड़ा, तहसील अभ्व, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में एक दरख्वास्त गुजारी है कि उसकी भादी कैलाण देवी पृत्री श्री ग्रीकार नाथ, निवासी नारी, तहसील व जिला ऊना के साथ दिनांक 6-12-2000 को सम्पन्त हुई लेकिन गांदी पंचायत में दर्ज न करवाई गई है ।

श्रतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को गादी पंजीकरण बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को प्रसालतन या वक्यलतन हाजर स्राकर अपना एतराज पेश कर सकता है हाजिर न श्रानं की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर पंजीकरण के श्रादेश पंचायत को जारी कर दिए जाएंगे।

श्राज दिनांक 18-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदालत ने जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब ग्रदालन श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) अम्ब. जिला ऊना (हि० प्र०)

श्रीमती गुरजवनी देवी विधवा श्री दलीप चन्द, निवामी दियाडा, तहसील श्रम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0) ।

वनाम

ग्राम जनता

সার্থনা-पत्न जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यृ पंजीकरण স্বাহিনিযম, 1969.

श्रीमती गुरवचनी देवी विधवा श्री दलीप चन्द निवासी दियाड़ा ने इस ग्रदालत में एक प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसके श्रंकल का नाम जल्लू पुत्र श्री हीरा की मृत्यु दिनांक 0.4-0.2-2001 को हुई थी परन्तु श्रज्ञानतावण वह उसकी मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत दियाड़ा के रिकाइं में क्लं नहीं करा सकी है।

अतः सर्व माधारत हो इस इश्त्रहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किनी को कोई उत्तर या एनराज हो तो वह दिनांक 29-11-2001 को प्रातः 10.00 बने अहानन हुन। स्वित सम्ब में प्रयाननत या रकातान होजिर प्राकर प्रश्ना एनराज पेस करा महना है। निशंदिन प्रशी के पश्चान कोई प्रापन्ति प्राप्त न होने को मुख्त में पार्थना-पत्र श्रीमनी गुरवचनी देवी पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

ग्राज दिनांक 27-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र कर्मा. उप-मण्डनाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ।

ब घदानन श्रो तरेन्द्र गर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना0) सम्ब, त्रिला ऊना (हि0 प्र0)

थी विनोद हुनार पुत्र थी जोगिन्ड पाल, निवासी बहापुर, नहसीन प्रम्ब, जिला इना (हिं0 प्र0) ।

बनाम

श्राम जनता

प्रार्थनात्पत्र तेर प्रारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पजीकरण विवित्यम, 1969.

श्री जितोद कुमार पुत्र थी गोगिन्द्र पाल, निवासी बहापुर ने इस घदालन में एक प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसके मानजे का नाम रोहिन जर्मा पुत्र संजीव कुमार का जन्म दिनांक 7-2-1999 को हुमा है परन्तु पजाननावश्च वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत भद्रकानी के रिकार्ड में दर्जनश्री करा सका है।

म्रतः मनंसाधारण को इन इष्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किनो को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनाक 29-11-2001 का प्रातः 10.00 बजे महालत हजा स्थित अम्ब में स्थासतन या वकालान हाजिर माकर अपना उजर/एतराज पेश कर सकता है। निर्वारित सर्वाव के पश्चात् कोई मापित प्राप्त न होने की सूरत में प्रापंता-पन्न श्री विनोद कुमार पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

न्नाज दिनांक 27-10-2001 को मेरे हन्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जानी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला उत्ता (हि0प्र०) ।

अदान न श्री तरंन्द्र सर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ता०) ग्रम्ब,
 जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सोम नाच पुत्र श्री घोंकार सिंह, निवासी घनारी, तहसील भ्रम्ब, त्रिला ऊना (हि0 प्र0) ।

बनाम

माम जनता

प्रार्थनान्यत्र देर पारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रविनियम, 1969.

श्री सोम नाष पुत्र श्री मोकार सिंह, निवासी घनारी ने इस घदालन में एक प्रार्थना पत्र पुजारा है कि उमकी लड़की का नाम नेहा कुमारी पुत्री मोन नाष का जन्म दिनांक 24-10-1996 को हुमा है परन्तु महानता । यह उसकी जन्म निधि प्राप्त पंचायत घनारों के रिकार्ड में दर्ज न करा मका है । मृतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किनी को कोई उनर या एतराज हो तो वह दिनांक 29-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे घटालत हजा स्थित प्रम्ब में अपालन न या बकालतन हाजिए आकर अपना एतराज दर्ज करा सकता है। निर्वारित जयि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्वना-पत्न श्री सोम नाय पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

भाज दिनांक 27-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत. से जारी हथा।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला उन्ता (हि०प्र०) ।

ब ग्रदालत श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री महिन्द्र पाल पुत्र श्री साबू राम, निवासी परम्ब, तहसील श्रम्ब, जिला उना, हिमाचल प्रदेश ।

वनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्न जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधिनियम 1969.

श्री महिन्द्र पाल पुत्र श्री साधू राम, निवासी परम्ब ने इस ग्रदालत में प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसके लड़के का नाम बबलू कुमार पुत्र श्री महिन्द्र पाल का जन्म दिनांक 15-1-1995 को हुआ था परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत सलोई के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे अदालत हजा स्थित अम्ब में असालतन या वकालतन हाजिर ग्राकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अविध के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्णना-गत्र श्री महिन्द्र पाल पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

धाज दिनांक 18-10-2001 को भेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी(ना0) धम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

व ग्रदालत श्री नरेन्द्र भर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्रो महिन्द्र पाल पुत्र श्री साबू राम, निवासी परम्त्र, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

प्रायंना-पत्न जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंत्रीकरण प्रधिनियम, 1969.

श्री महिन्द्र पाल पुत्र श्रो साधू राम, निवासी परम्ब ने इर प्रदालत में एक प्रायंता-पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम अरूणा देवी पुत्री श्री महिन्द्र पाल का जन्म दिनांक 15-4-1994 को हुमा था परन्तु भ्रजातावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत सलोई के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

प्रतः सर्वेसधारण को इस इक्ष्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस वारे कियी को कोई उजर या एतराज हो तो वह दितांक 22-11-2001 को प्रातः 10.00 वजे अदालत हजा स्थित अस्व में ग्रसालत ता वकालता हाजिर ग्राकर प्रपता एतराज पेस कर सकता है। निर्वारित ग्रविध के पश्चात् कोई ग्रापिल प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थना-पत्र श्रो महिन्द्र पाल पर निश्मानुसार कार्यवाही की जाएगी।

म्राज दिनांक 18-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रतासत से जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्त्र ज्ञर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला ऊना (हि०प्र०) ।

ब अदालत श्री नरेन्द्र गर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

त्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मारू राम, निवासी बदाऊ, तहसील श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

वनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना पत्न जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रविनियम, 1969.

त्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री नाइ राम, निवासी बदाऊं ने इस प्रदालत में एक प्रार्थना-नव गुजारा है कि उसके लड़के का नाम अभिषेक चौबरी पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार का जन्म दिनांक 20-7-1997 को हुमा है परन्तु ग्रजानतावज्ञ वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत मन्दौरा चैतामर के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवा सका है।

श्रतः सर्वसाघारण को इस इश्तहार द्वारा मुचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 29-11-2001 को प्रातः 10.00 बने श्रदालत हमा स्थित श्रम्ब में श्रभालतन या वकालतन हाजिर श्राकर श्रपना एतराज पेश कर सकता है। निर्वारित ग्रवधि के पश्चात् कोई श्रापत्ति प्राप्त न होने की सुरत में प्रार्थना-पट श्रो ग्रनिल कुमार पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

म्राज दिनांक 27-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब. जिला ऊना,हिमाचल प्रदेश ।

ब प्रदालन श्रो नरेन्द्र शर्ना, उप-मण्डलाधिकारी (ना0) प्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

थी गुरमीत बन्द मुगुत स्व0 श्री मन्शा राम, निवासी दियाड़ा, तहसील श्रम्ब, जिला अना, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

ग्राम जनता

 प्रार्थेना-पत्र जेर धार 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रधिनियम, 1969.

श्री गुरमीत चन्द मुपुत्र स्व 0 श्री मन्त्रा राम, निवासी दियाइन ने इस ग्रदालत में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम प्राण बाला सुपुत्री श्री गुरमीत चन्द जन्म दिनांक 08-07-1996 को हुमा था परन्तु मजानतावम वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत दियाडा के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

अत: सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता हैं कि यदि इस बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह

दिनांक 20-11-2001 को प्रात: 10.00 बजे प्रदालन हजा स्थितः प्रम्ब में धसालतन या वकालतन हाजिर ग्राकर ग्रपना एतराज पेश्र कर सकता है निर्घारित प्रविध के पश्चात् कोई ग्रापित प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थना-पन्न श्री गुरमीत चन्द पर नियमानुसार कार्यवाही की नाएगी।

न्नाज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भदानत में जारी हुआ।

मोहर ।

नरेन्द्र भर्मा,

उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्त्र, जिला ऊना, हिमाचन प्रदेश ।

ब ग्रदालत श्रो नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री राजेण कुमार सुपुत्र श्री सुखदेव, निवासी मर्वा (लोहारा), तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता

श्री राजेण कुमार मुपुत श्री सुखदेव, निवासी मवां (लोहारा), तहसील अम्ब, जिला उनां (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में एक दरख्वास्त गुजारी है कि मेरे पिता जो का नाम गांव बधमाणा के राजस्व रिकार्ड में श्री सुखदेव सुपुत्र श्री सन्त राम दर्ज है जो कि सही है लेकिन गांव धमंशाला महन्ता में मेरे दिता जी का नाम राजस्व रिकार्ड में श्री लेख राज सुपुत्र श्री सन्त राम दर्ज है जो कि गलत है जबकि उनका नाम सुखदेव सुपुत्र श्री सन्त राम दर्ज हो जो कि गलत है जबकि उनका नाम सुखदेव सुपुत्र श्री सन्त राम दर्ज होना चाहिए जो कि सही है।

ग्रतः सर्वासाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जातः है कि यदि किसी भी व्यक्ति को नाम दरूस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को असालतन या वकालतन हाजिर असकर ग्रंपना एतराज पेण कर सकता है हाजिर न आने की सूरत में एक तरका कार्यवाही अमल में नाई जाकर नाम दस्स्ती वारे आदेश जारी कर दिये जाएंगे।

भ्राज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत सहित जारी हुमा ।

मोहर।

नरेन्द्र शर्माः

उप-मण्डलाधिकारी (ना०) स्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

व ग्रदालत श्री नरेन्द्र गर्मा उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश

श्रोमती निर्मला देवी पत्नी श्री सुरेश कुमार, निवासी बीजापू (तनकात), तहसील श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

वनाम

श्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्रीमतो तिमंता देवी पत्नी श्री सुरेश कुमार निवासी बीजापुर (तलवाल) तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0) ते इस कार्यालय में एक दरम्बास्त गुजारी है कि उसकी पुत्नी का नाम पंचायत रिकार्ड में श्राकृति तर्मा की जगह श्रेम लता दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसका नाम प्रेम लता की जगह शाकृति शर्मा दर्ज होना चाहिए जो कि मही है।

भ्रतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सुचित किया जाता है कि यदि किथी भी व्यक्ति को नाम दरूस्ती बारे कोई एतराज हो तो बह दिनांक 20-11-2001 को प्रसाननम् या बकालतन हाजिर धाकर अपना एतराज पेक्क कर सकता है न धाने की सुरत में एक तरफा कार्यवाही भ्रमल में लाई जाकर माम दरूरनी बारे ग्रादेश पंचायत को जारी कर दिये जाएंगे।

मात्र दिनाक 16-10-2001 को मेरे हस्लाक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हमा !

मोहर ।

नरेन्द्र शर्माः उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्बः जिला ऊनाः हिमाचल प्रदेशः ।

ब ग्रदालन श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाग्निकारी (ना०) शस्त्र. जिला कती, हिमाचल प्रदेश

थी जाम लाल मुपुत्र थी जोगिन्द्र सिंह, निवासी चलेंट, तहसीत भ्रम्ब, जिला उला, हिसाचल प्रदेश

बनाम

ग्राम जनता

प्राथंना-पत्न जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण मधि-श्रीधनियम: 1969.

भी शाम लाल मुपुत्र भी जोगिन्द्र सिह, निवासी चलेट ने इस धदालन में एक प्रायंना-पत्न गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम प्रियंका मुपूर्वी भी शाम लाल जन्म दिनांक 19-11-1996 को हुआ था परन्तु श्रक्षानतावम वह उसकी जन्म तिथिश्राम पंचायत चलेट के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

ग्रतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे में किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को प्रातः 10-00 बजे प्रदालत हजा स्थित प्रस्व में ग्रमालतन या बकालतन हाजिए ग्राकर ग्रपना एतराज पेश कर सकता है निर्धारित प्रविध के पण्चात् कोई ग्रापत्ति प्राप्त न होने की सुरत में प्रार्थना-पन्न श्री शाम साल पर नियमानुसार कार्यवाही की जागी !

ग्राज दिनांक 16-10-2001को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हुन्ना ।

मोहर ।

नरेन्द्र णर्मा, उपक्रण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

ब मदालन श्री नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला क्ला क्रिमाचल प्रदेश

श्री यशपाल सिंह सुपुत्र श्री निक्का राम, निवासी भंजाल, नहसील श्रम्ब, बिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

बना म

ग्राम जनना

नोटिम बनाम ग्राम जनता।

र्या यशपाल मिह मुपुत्र थी निक्का राम, निवासी भजांल, तहसील प्रव्य, जिला उना, हिमाजल प्रदेश ने इस कार्यालय में एक दरक्यास्त गुजारी है कि उसका नाम पंचायत रिकार्ड में शिल बाला सुपुत्री श्री रष्टपाल सिंह दर्ज है जो कि गलन है जबकि उसका नाम शिल बाला सुपुर्का यशपाल सिंह दर्ज होना चाहिए जो कि सही है।

श्रतः सर्वसाधारण को इस ईश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को नाम दक्स्ती बार्ग कोई एतराज हो तो वह दिसांक 20-11-2001 को समाजतन या वकालतन हाजिर श्राकर प्रपत्ना एतराज पेण कर सकता है न धाने की सूरत में एक तरफा कार्षवाही श्रमल में लाई जाकर नाम दक्स्सी बारे मादेण पंचायत को जारी कर दिये जाएरे।

क्यान दिलांक 17-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हमा ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, * जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

ब धदानत श्री नरेन्द्र गर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), ग्रम्ब, जिला ऊता, हिमाजल प्रदेश

श्रीमती शिजाबाई । सी । पत्नी श्री किशोरी लाल, निवासी मवा सिक्षियां, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

श्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्रीमती शिजाबाई० सी० पत्नी श्री किशोरी लाल निवासी मवा सिंधिया, तहसील श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में एक दरख्वास्त गुजारी है कि उसका नाम पंचायन रिकार्ड में शिजाबाई० सी० की जगह सीमा दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसका नाम सीमा की जगह शिजाबाई० सी० दर्ज होना चाहिए जो सही है।

ग्रतः सर्वसाधारण को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाना है कि यदि किसी भी व्यक्ति को नाम दरुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को ग्रसालतन या वकालतन हाजिर श्रांकर अपना एतराज पेश कर सकता है न श्राने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही ग्रमल में लाई जाकर नाम दरूस्ती बारे श्रादेश जारी कर विये जाएंगे।

न्नाज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हम्रा ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिक।री (ना0) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

व भ्रदानन श्री नरेन्द्र णर्भा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) ग्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

र्था महिन्त्र सिंह सुपुत्र श्री गरीब दास, निवासी नकडोह, तहसील सम्ब जिला कता, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

ग्राम जनता

प्राथंना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण ग्राथिनियम, 1969.

श्री महिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गरीब दास, निवासी नकडोहू ने इस ग्रदानन में एक प्रार्थना-पत्न गुजारा है कि उसकी लड्की का नाम ज्योति बाला सुपुत्री श्री महिन्द्र सिंह जन्म दिनाक 7-10-1996 को हभा था परन्तु भ्रज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत नकडोह के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

धतः सबसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे अदालत हजा स्थित अन्य में असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है निर्धारित अवधि के पण्चात कोई आपनित झुस्त त होने की सरत में प्रार्थना-पत्र श्री नहिन्द्र सिंह पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ ।

न मोहर । नरेन्द्र णर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेण ।

ब अदालत श्री नरेन्द्र अर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०) श्रम्ब, জিলা ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री उद्यम सिंह मुपुत्र श्री स्थाम् राम, निवामी नन्दपुर, तहमील अम्ब. जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

त्रनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण ग्राधिनयम,

श्री उभ्रम सिंह सुपुत्र श्री ण्याम् राम, निवासी नन्दपुर ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके एड्क का नाम मदन लाल मुपुत्र श्री उधम सिंह, की मृत्यु दिनांक 30-08-1991 को हुआ थी परन्तु स्रज्ञानतात्रश वह उसकी मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत नन्दपुर के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका ।

श्राज दिनांक 16-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर श्रदालत रूसे जारी हआ ।

मोहर ।

नरेन्द्र शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना0) श्रम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

ब ग्रदालत श्री जमीत सिंह राणा, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)

श्री कृष्ण चन्द पुत्र श्री हरी राम, वासी गांव बढेड़ा राजपूर्ता, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

विषय.--प्रार्थना-पत्र बाबत दरुस्ती नाम कागजात माल वाक्य, गांव मौजा कोईबी, तहसील भम्ब ।

श्री कृष्ण चन्द पुत्र श्री हरी राम, वासी गांव बढेडा-राजपूता, तहसील श्रम्ब, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक आवेदन-पत्र इस श्राशय से गुजारा है कि उसका वास्तिवक नाम मृताबिक स्कूल प्रमाण-पत्र कृष्ण चन्द है लेकिन कागजात माल में गलती से जगदीश राम उप नाम कृष्ण लाल लिखा गया है। ग्रत: वह कागजात माल में ग्रपने नाम की दहस्ती करवाना वाहता है।

ग्रत: इस अदालती इश्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/रिश्तेदार को उक्त आवेदक के नाम को दरुस्त किए जाने बारे कोई आपित्ति हो तो वह दिनांक 24-11-2001 को या इससे पूर्व इस श्रदालत में हाजिर आ कर अपनी आपित्त

दर्ज करवा सकता है प्रस्थवा आवेदक के नाम की दरुस्ती किए जाने बारे श्रादेश पारित कर दिए जाएगे।

आज दिनाक 24-9-2001 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

माहर।

जे ० एस० राणा, महायद्य ममाहर्ता, द्वितीय श्रेणी. तहरील श्रम्ब, जिला उत्ता, (हि०प्र०) ।

य अदालत श्री जमीत सिंह राणा, सहायक समाहर्ता. द्वितीय श्रेणी, तहसील अम्ब, जिला ऊना. हिमाचल श्रदेण

श्री कृष्ण चन्द पुन श्री हरी राम. वासी गांव बटेड़ा राजपूनां, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना (हि०प्र०) ।

3-4, 1-11 341 (180×0) 1

वनाम

श्राम जनता

विषयः---प्रार्थेना-पत्र बाबल दरुस्ती नाम कागजान माल वाक्याः गांव बढेडा-राजपुतां, तहसील ग्रम्ब ।

श्री कृष्ण चन्द पृद्ध श्री हरी राम, वासी गांव बढेड़ा राजपूता, तहसील अम्ब, तिला ऊमा ने इस न्यायालय में एक आयेदन-पत्न इस आग्रय से गुजारा है कि उसका वास्तविक नाम मुताबिक स्कूल प्रमाण-पत्न कृष्ण चन्द हैं, देकिन नाल कागजात में गलती से किशन लाल लिखा गया है। अना वह कागजात माल में अपने नाम की दरुस्ती करवाना चोहता है।

म्रत: इस भ्रदालती इश्तहार द्वारा सर्वः!धारण को गूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त श्रावेदक के नाम को दरुस्त किए जाने बारे कोई भ्रापित्त हो तो वह दिनांक 24-1!-2001 को या इससे पूर्व इस भ्रदालत में हाजिर श्राकर भ्रपनी भ्रापित्त दर्ज करवा सकता है भ्रम्थथा भ्रावेदक के नाम की दरुस्ती किए जाने बारे श्रादेश पारित कर दिए जाएंगे।

श्राज दिनांक 24-9-2001 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर भदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर ।

जें एस व राणा, सहायक समाहर्ता, दितीय श्रेणी, तहसील ग्रम्ब, जिला ऊना, (दि व प्रक) ।

ब ग्रदालत नायव तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना तहसील व जिला ऊना

मुकद्दमा : जन्म तिथि प्रमाण-पत ।

मोहन लाल बनाम ग्राम जनता सन्तोषगढ़।

दरखास्त जेर-धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण श्रविनियम, 1969.

नोटिस बनाम जनता स्राम ।

श्री मोहन लाल सुपुत प्रकाण चन्द, निवासी गांव सन्तोषगढ़, तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में दर-ख्वास्त दी है कि उसकी सुपुत्री भावना सैणी का नाम पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया जा सका है ग्रीर फ़व दर्ज किया जावे । इसकी सुपुत्री की जन्म निथि 2-10-1998 है,

तथा बच्चे का जन्म गांव सन्तोषगढ़ हैं।

ग्रतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्ते-दारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका नाम दर्ज

करवाने बारे कोई उजर/श्रापित हो तो वह दिनांक 20-11-2001 को प्रातः दस बजे स्वयं श्रथवा श्रसालतन या बकालतन इस ग्रदालत में हुजिर याकर पेस करें प्रत्यवा यक नरका कार्यवाही समल में लाई बाकर प्रमाण-पत बारी करने के आदेश दे दिवे बाएंबे।

ग्राव दिलाक ,..... हमारे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत मं जारी हुग्राः।

माहर ।

ःस्ताक्षरित/-

नायद नहनी नदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना, नहमील व जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

व ग्रहालत थी एस० ग्रार्0 भाटियः, महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बङ्गर, जिला हर्मारपुर, हिमाचल प्रवेण

मिसल नंग	नारोख मरजुप्रा	तारीख पेशी
49/2001	8-5-2001	20-11-2001

किस्म मकदुमाः तकसीम

श्री त्रवदांत्र चन्द पुत्र कालीग्राम, निवासी टीका गुर्याह कला, तप्पा कारलो, तहसीर बड़सर, जिला हमीरपुर ः प्रार्थी।

वनाम

 किश्वन चन्द, 2. रनन चन्द, 3. प्रकाश चन्द, 4. प्रीतम चन्द पुतान भण्डारी, 5. रणजीत चन्द, 6. विश्वन चन्द, 7. प्रोकार चन्द, 8. देव राज पुतान मुख दयाल, 9. श्रीमती कला देवी विध्वा मुख दयाल, मर्ज निवामीगण टीका गर्याह कलां, तथ्या गारली, तहसींल बहमर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, 10. चमन लाल पुत्र प्रजन्न राम, निवासी टीका खिजयां, तथ्या गारली, तहसील वड्सर, जिला जमीरपुर, जिलाचल प्रदेश

इन्तहार (Proclamation) उद्घोषणा जेर ब्राइंट 5, नियम 20, मीठ पीठ मीठ ।

उपरोक्त मुक्टमा उनवान वाला में प्रार्थी श्री जगदीश चन्द ने इस न्यायानय में प्रार्थना-पन्न तकसीम प्रस्तुत करते हुए निवेदन किया है कि भूमि खाता नं 0 38, खतीनी न 0 46, 47, खसरा नं 0 380, 381, 382, 383, 241 व 245, किता 6, रकवा तादादी 0-06-27 हैस्टेघर, वाक्या टीका गुर्याह कलां, तथ्या गारली, तहसील वहसर, जिला हिमीरपुर मनुसार जमाबन्दी साल 1995-96. जो कि फरोकदोयम का मुक्तरका है जिसमें प्रतिवादीगण का निस्फ भाव है, खराजी जेरे तकसीम में फरीकदोयम प्रार्थी पक्ष के साथ काश्त के बारे हमेगा तनाजा करते रहते हैं जिस कारण प्रार्थी कागजान माल में प्रपत्त खाता ग्रात्र करना च हता है।

उक्त प्रायना-पत्न प्रार्थी प्राप्त होने के उपरान्त प्रतिवादी पक्ष को कई बार बजारया समन तलब किया गया परन्तु उनकी नामील नियमानुसार न हो रही है। जिससे इस प्रदालन को पूर्ण विश्वास हो चका है कि उपरोक्त प्रतिवादीगण न0 1, 2, 7 व 8 की तामील साधारण नराके से करवाई जानी सम्प्रव न है। अतः उपरोक्त प्रत्यार्थी पक्ष न0 1, 2, 7 व 8 को इयतहार (Proclamation) द्वारा मुचित निया जाता है कि इयत उन्हें मुकहमा के बारे कोई प्रापत्ति हो तो वह किया उपराक्त 20-11-2001 को प्रात: 10.00 वने प्रमालतन या वकालान उपस्थित होकर पैरबी मुकहमा करें, प्रतृपिध्यित की मूरत में यह समझा जायेगा कि उन्हें उक्त मुकहमा वारे कुछ न कहना है। इसिलाए नियमानुमार यक तरका कार्यवाही समल में लाई बाकर उक्त मकहमा का फैसला गण व बाय के माधार पर नियमानुसार कर दिया बायेगा।

मान दिनांक 2-11-2001 की मेरे हस्ताक्षर व मोहर पदालत से जारी हुया।

मोहर ।

एम 0 बार 0 भाटिया, महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बडमर, जिला हमीरपुर, हिसाचन प्रदेश । इस्तहार

व ग्रद्धालत सहायक समाहती द्वितीय श्रेणी, हारचिकयां, जिला कागका, हिमाचल प्रदेश

शीर्षक म्कद्दमा तकसीम

श्री कीजी राम पुत्र खोदल, निवासो ठेहडू, मौता ठेहडू, उप-तहसंख हारचिकयां, जिला कांगड़ा (हिं0 प्र0) ।

बनाम

यी ग्रंग्रेज सिंह ग्रादि मुहाल व मौजा ठेहड़ उप-तहसील हारच-कियां, जिला कॉगड़ा (हिठ प्रठ) ।

प्रायंता-पत्न बाबत भूमि तकसीम खाता नं० 49,50,52,53 खतौनी नं 0 63, 64, 66, 67 खसरा कित्ता 116, रकवा 3-91-86 है0 बाक्या मुहाल उपरक्षी ठेहड़, मौजा ठेहड़, उप-तहसील हारचकियां।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रार्थी श्री फीजी राम ने प्रार्थना-पत्न बाबत तकसीम इस न्यायालय में दायर किया है कि उपरोक्त भूमि मुक्तरका होने के कारण वह ग्रपना खासा अलग करवाना चाहता है । इसलिये फरीकदोयम श्रीमती कौशल्या देवी पुत्री सोमा जो कि लापता है तथा श्रीमती लज्या देवी पुत्री धंमू श्रीमती ज्यासा देवी पुत्री वसाखू जिनकी मृत्यु हो चुकी है, के वारसान की तामील साधारण तरी है से नहीं हो सकती एवं श्री इलाची राम।

इसलिये उपरोक्त फरीकदाम के वारसान को इस इक्तहार द्वारा मूचित किया जाता है कि ग्रापको इस तकसीम बारा कोई उत्तर या एनराज हो तो वह दिनांक 22-11-2001 को प्रात: 10-00 वजे ग्रसालतन या बकालतन हाजिर प्राकर पैरवी मूक्डमा करें ग्रन्थथा ग्रापके विरुद्ध कार्यवाही एक तरफा ग्रमल में लाई जाएंगी।

माज दिनांक 22-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर मदालत से जारी हुन्ना ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-सहायक समाहती द्वितीय श्रेणी, हारचिकया, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेण ।

ৰ ग्रदाचन सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, हारचकियां, जिला कांगड़ा (हिo प्रo)

मिसल तकसीमः

श्री दुर्गा सिंह पुत्र फता उपनाम थो फतेह सिंह, निवासी भन्द्रेला मौना मनेई, उप-तहसील हारचिकयां (हि0 प्र0) ।

वनाम

श्री राज कुमार आदि, निवासी भन्द्रेला, उप-तहसील इररचकियां (हि0 प्र0)

प्रार्थना-पत्र तकशीम खाता तं 0 41 खतौती नं 0 62 ता 67 तमरा किता 14, रकता 01-23-52 है 0 बाक्या मुहान मन्द्रेला, मौजा मनेई, उप-तहसील हारचिक्यां, जिला कामड़ा (हि0 प्र0)।

उपराक्त मुकद्दमा में प्रार्थी श्री दुर्गा सिंह ने एक प्रायंना-पर्व वावत तकसीम इस न्यायालय में दायर किया है कि उपरोक्त भूमि मुश्तरका होने के कारण वह प्रपता खाता अलग करवाना बाहता है। इमिलये मुकद्दमा में करोकदोयम श्री रक्षपाल जगरूप सिंह पुत्र महालों राम, बासी भन्द्रेला, मोजा मनेई, उप-तहसील हारकियां को इस न्यायालय द्वारा कई बार नोटिस किये गये नेकिन उनकी तामीन साक्षारण तरीके से नहीं हो रही है। इसलिये त्यायालय को पूर्ण विश्वास है। कि इनको नामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है।

इसलिये उपरोक्त फरीक दोयम को इस इक्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि भगर तकसीम बारा कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनंक 22-11-2001 को प्रातः 10.00 बजे ग्रमालतन या बकानतन हाजिर ग्राकर पैरवी मुकदमा करें ग्रन्थया ग्रापके विकद्ध एक तरका कायंबाही ग्रमण में लाई बार्षेगी ।

ग्राज दिनांक 22-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदालत से जारी हक्षा ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, हारचिकयां, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

इक्तहार जेर ब्राइंर 5, रूल 20, सी0 पी0 सी0

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, निरमण्ड, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मानं 0

किस्म मुकद्दमा तकसीम

19, 20, 21, 22/2001

श्री झूखल उर्फ राम दास व भगवान दास पुत्रगण रूलदू, गांव खनोटा, फोटी निरमण्ड, जिला कुल्लु, हिमाचल प्रदेण ः वादी।

बनाम

सर्व श्री प्रेमदाम, किशोरी पुत्रगण जीती, गांव खनोटा, फाटी निरमण्ड, भीम्, सूफन उर्फ बालक राम, चेत राम, खिमू पुत्रगण शिमता, गांव कुण्डाकोड, फाटी निरमण्ड, पिहकू पुत्र शिमता, गांव शनेरी, तहसील रामपुर बुशहर, जिला शिमला । मंगती पुत्र तुलस्, गांव मकट्ट फाटी निरमण्ड। कमला पुत्री धनी राम गांव पढ़ेडी, फाटी निरमण्ड, सनती वेवा धनी राम गांव खनोटा. किमनी पुत्र अमक् गांव कवाडा, शिर राम पुत्र अमक्, गांव खनोटा, फाटी निरमण्ड, फूला देवी पुत्री असक् गांव पनाशा, चिमन लाल पुत्र हिमत्. गांव कुण्डाकोड. रामकी पुत्रो निसमू, गांव खनोटा, फाटी निरमण्ड, चन्द्र प्रकाण पुत्र कमण्, निवानी खनोटा, फाटी निरमण्ड व गांक पुत्र निवानी खनोटा, फाटी निरमण्ड प्रतिवानिगण।

तकसीम भूमि खाता नं० 231 मिन, खतौनी नं० 271, 272 मिन, 273, 274, 275 मिन, 275/1, खाता नं० 466,500,577, 590, 458, 503, 534, 568, 576, 591, 463, 462, 480, 481, 535, 464, 465, 562, 569, 592, 575 किला 21, रकबा 13-18-16 बीघा, खाता संख्या 231 मिन, खनौनी नं० 272 मिन, 275 मिन, ख0 नं0 514, 513, किला 2, रकबा 2-18 बीघा, खाता नं0 218, खतौनी नं0 2571, 00 नं0 791, 810, किला 2, रकबा 7-14 बीघा, खाता सं0 229, खतौनी नं0 268, ख0नं0 518, 521 किल्ता 2, रकबा तादादी 5-1 बीघा स्थित फाटी निरमण्ड, जिला कुल्लु, हिमाचल प्रदेण।

र्ग उपरोक्त मुकड्रमा में प्रतिवादी श्री पिहक् पुत्र शिमता, निवासी शनेरी, तहसील रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश को इस ग्रदाशत द्वारा बार-बार समन जारी करने के बावजूद भी तामील विधिवत नहीं हो पा रही है तथा मुकड्मा सुनवाई के दौरान पाया गया कि उपरोक्त पिहकू राम कई सालों में लापता है। ग्रतः उपरोक्त पितवादी पर मामान्य तरीके से समन की तामील होना ग्रसम्भव है।

ग्रनः उपरोक्त प्रतिवादी श्री पिहकू पुत्र शिमता, गांव शनेरीहे तहसील रामपुर वृष्णहर, जिला धिमला, हिमाचल प्रदेश को इस इश्वहार द्वारा सुचित किया जाता है कि वह दिनांक 21-11-2001 को प्रातः 10 बजे प्रसालतेन या वकालतेन मेरी श्रदालत मुकाम निरमण्ड में हाजिर ग्रावें ग्रन्थया गैरहाजरी की सूरत में यक तरका कार्यवाही ग्रमल में लाई जाएगी।

ग्राज दिनांक 12-10-20 01 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालन महिन जारी हुआ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-महायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, निरमण्ड, जिला कुल्लु, हिमाचल प्रदेश ।

न्यायलय श्री के 0 एस0 चौपरी, तहसीलदार एवं सहायक समाहती, प्रथम वर्ग, बंगाणा, जिला ऊना

कशमीरी देवी पत्नी देवराज पुत्र रामा, गाव मकरैंड्, तहसील वंगाणा, जिला ऊना ∵प्रार्थी।

वनाम

 श्री देव राज पुत्र रामा, जात जट, गांव मकरेड, तहसील बंगाणा, जिला ऊता, 2. बाम जतता गांव मकरेड, तप्पा शहड़ा, तहसील बंगाणा, जिला ऊता, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

इन्तकाल नं0 72, मकफूद-उल-खबरी बाक्या गांव मकरैड् तप्पा गहड़ा, तहसील वंगाणा. मिनजानव देव राज पुत्र रामा, गांव मकरैड् वराये फैसला दर्ज राजस्व अभिलेख है ।

इश्तहार मुनादी

वरकत तस्दीक इन्तकाल जलसा ग्राम में श्रीमती कशमीरी देवी पत्नी देव राज, जान जटट, ने स्वयं उपस्थित होक्कर व्यक्त किया कि उसका पति श्री देव राज पुत्र रामा वर्ष 1978 में लापना हो चुंका है। श्री देव राज फीज में नौकरी करता था। ग्रवः देव राज घर से ग्रवकाश काट कर वापिस गया तो वह ग्रपनो यूनिट फौज में उपस्थित नहीं हुग्रा ग्रीर तब से लेकर प्राज नक वह न ही फीज में है ग्रीर न ही घर पर ग्राया तथा न ही उसके मरने का किसी को कोई ईलम है। उसकी कोई सल्तान नहीं है केवल उसकी पत्नी कशमीरी देवी ही उसकी जायज वारिस है जिसकी विरास्त का इन्तकाल नं 0 78, मकफूद-उल-खबरो बराये निर्णय विचाराग्रीन है।

अतः इस इश्तहार मुनादी द्वारा प्रतिवादी व स्राम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त इन्तकाल नं 78, मकफूद-उल-खबरी पर किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस स्रदालन में उपस्थित होकर दिनांक 23-11-2001 को पैरवी इन्तकाल या एतराज इन्तकाल प्रस्तुत करें अन्यया उक्त इन्तकाल बहक प्रार्थीन श्रीमती कामीरी देवी पत्नी देव राज, जात ज़टट, गांव मकरेड़ स्वीकृत कर दिया जायेगा ।

ग्राज दिनाक 6-10-2001 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर श्रदालत से जारी कियागया ।

मोहर ।

के 0 एस0 चौधरी. सहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, वंगाणा, जिला ऊना ।

भाग 6∵-मारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुतः प्रकाशन

-शृन्य-

भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

-ब्रुव-

अनुपूरक -मुम्प-

भाग-1

HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA

NOTIFICATION

Shimla-1, the 31st October, 2001

No. HHC Admn. 6:20)/77-XIII-22001-25.—It is notified for information of the general public that the holidays and vacations to be observed by the High Court and the Courts subordinate thereto, during the calendar year 2002, shall be as follows:—

HOLIDAYS

Name of holiday(s)	Date(s) on which these fall	Day or Days of the week	
All Sundays			
All Second Saturdays	0.51	+1 / to	
Statehood Day	25th January	Friday	
Republic Day	26th January	Saturday	
Id-ul-Juha	23rd February	Saturday _{::,}	
Maha Shivratri	12th March	Tuesday	
Holi	28th March	Thursday	
Good Friday	29th March	Friday	
Himachal Day	15th April	Monday	
Mahabir Jayanti	25th April	Thursday 4	
Independence Day	15th August	Thursday	
Janamashtami	30th August	Friday	
Gandhi Jayanti	2nd October	Wednesday	
Dussehra Holidays	14th October	Monday	
2 23 76 17 71 71 71 71 71 71 71 71 71 71 71 71	to	to	
	19th October	Saturday	
Diwali	4th November	Monday	
Goverdhan Pooja	5th November	Tuesday	
Bhai Dui	6th November	Wednesday	
Guru Nanak Dev's Birthday	19th November	Tuesday	
Christmas Day	25th December	Wednesday	

- Note.— 1. The list of holidays does not indicate Dr. Bhim Rao Ambedkar's Birthday (14-4-2002), Ram Navmi (21-4-2002) & Budh Purnima (26-5-2002), which fall on Sundays.
 - Saturdays falling on 4th May, 2002 and 21st September, 2002 will be working days for the High Court.
 - The District and Sessions Judges shall at their discretion declare two holidays in the calendar year on the occasions of important fairs and festivals peculiar to the places within their respective jurisdiction.

VACATIONS:

High Court Winter Vacation from 14-1-2002 to 23-2-2002.

High Court Summer Vacation from 10-6-2002 to 15-6-2002.

Winter Zone Subordinate Courts Vacations from 21-1-2002 to 19-2-2002.

Summer Zone Subordinate Courts Vacations from 2-7-2002 to 31-7-2002.

Note,-Limitation will not run during the vacations and gazetted holidays.

BY ORDER OF THE HON'BLE CHIEF JUSTICE AND JUDGES

SURJIT SINGH, Registrar General.

नियम्बक, मुद्रण एवं संखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-६ अन्य प्रक्रिक उन